सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 134, नई दिल्ली, सोमवार, 13 मार्च 2023, पेज 8

NEWS TRANSPORT VISHESH NTV
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 'पिता की मृत्यु के बाद उन पर यौन शोषण का आरोप सस्ती लोकप्रियता तो नहीं'? 05 मारुति की कारों पर डिस्काउंट और हीरो के नए इलेक्ट्रिक स्कूटर 08 हर चुनाव के बाद आयोग को अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ता है, बोले सीईसी

आज का सुविचार

यदि आप एक सुखी जीवन जीना चाहते हैं, तो इसे एक लक्ष्य से बांधें न कि लोगों या चीजों से !

डीटीसी की बसों में आग लगने की दुर्घटनाएं दिन प्रतिदिन पर परिवहन आयुक्त चुप, आख़िर क्यों?

क्या परिवहन आयुक्त की नज़र में दिल्ली की जनता के जान माल की कोई कीमत नहीं ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में अगर किसी व्यवसायिक वाहन में आग लग जाए तो परिवहन विभाग की एसटीए शाखा द्वारा वाहन मालिक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाता रहा है और पूछा जाता हैं की वाहन में आग लगने के कारण बताए और क्यों इसके लिए उनके खिलाफ़ कार्यवाही ना की जाए।

वाहन मे आग लगने के लिए एसटीए शाखा द्वारा वाहन का परमिट रद्द करने की बात कही जाती रहीं हैं।दिल्ली में डीटीसी की बसों में चलते हुए आग लगने की अनगिनत दुर्घटनाएं हो रही है जो दिल्ली की जनता के लिए जान माल का खतरा पैदा करती है उसके बावजूद परिवहन आयुक्त जिनके द्वारा डीटीसी बसों को स्टेज कैरिज रूट पर 10 साल की जगह 15 साल तक चलने की इजाजत दी गई जिसके बाद से डीटीसी की बसों में इस तरह के हादसे देखने में आ रहे हैं और इन दुखद हादसों/दुर्घटनाओं के होने पर भी परिवहन आयुक्त चुप है और एसटीए शाखा द्वारा भी डीटीसी को कोई नोटिस जारी नही किया गया, आख़िर क्यों ?

क्या परिवहन आयुक्त कि नज़र में दिल्ली की जनता के जान माल की कोई कीमत नहीं ?

क्या परिवहन आयुक्त किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं डीटीसी की जलती बसो में, और इसलिए अभी तक चुप है ? दिल्ली परिवहन निगम द्वारा जनहित और सार्वजनिक सवारी सेवा के सुचारू संचालन के लिए नई बसें नहीं खरीदी गई । मोटर वाहन नियम के अनुसार डीटीसी की बसों के किलोमीटर और स्टेज कैरिज रूट्स पर चलने की समय सीमा समाप्त होने पर जनता के समक्ष बसो की गिनती बनाए रखने के लिए परिवहन आयुक्त द्वारा डीटीसी बसों को 15 साल तक सड़कों पर चलाएं रखने की इजाजत दी और आग लगने की घटनाओं और हादसों के बाद भी चुप है ?

क्या दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग जनता को बता सकती हैं दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार आने की तारीख से आज तक डीटीसी के बेड़े में एक भी बस डीटीसी के नाम से शामिल क्यों नहीं हुई ?

जनहित में जारी

इनसाइड

अब नोएडा में पैर पसार रहीं अवैध बाइक टैक्सी, परिवहन विभाग कसेगा शिकंजा

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा में अवैध बाइक टैक्सी पैर पसार रहीं हैं। परिवहन विभाग जल्द इनके खिलाफ अभियान चलाएगा। जिले में पांच साल पहले बाइक टैक्सी की शुरुआत हुई थी। परिवहन विभाग के अनुसार नोएडा में अब 2446 बाइक टैक्सी रजिस्टर्ड हैं। दिल्ली में एप आधारित बाइक टैक्सी बैन होने के बाद अब ये बाइक नोएडा में पैर पसार रही हैं। अब इनको रोकने के लिए परिवहन विभाग भी कमर कस रहा है। अधिकारियों के मुताबिक इसके लिए अभियान अप्रैल से शुरू हो जाएगा। ऐसे वाहनों पर चालान किया जाएगा। एक से अधिक बार पकड़े जाने पर चालान की राशि बढ़ती जाएगी। जिले में पांच साल पहले बाइक टैक्सी की शुरुआत हुई थी। परिवहन विभाग के अनुसार नोएडा में अब 2446 बाइक टैक्सी रजिस्टर्ड हैं। हालांकि इससे दोगुनी बाइक टैक्सी प्राइवेट नंबर की बाइक का कमर्शियल इस्तेमाल बना ली गई हैं और लोगों को नए-नए एप से जोड़कर सवारी करा रही हैं। कल्याणपुरी निवासी एक युवक ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि उनकी रोजी रोटी इसी से चलती थी। दिल्ली में बैन के बाद उनका काम बंद हो गया और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है।

दिल्ली की जनता से सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। सभी प्रदुषण नियंत्रण करने वाली सरकारी संस्थाए, विशेषज्ञ, सरकारी विभागों के प्रमुख एवम दिल्ली सरकार एवम्प्रदुषण नियंत्रण में सहायक सरकारी विभागो द्वारा दिल्ली में प्रदुषण के लिए मुख्य रूप में वाहनों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है. क्या जनता भी दिल्ली में बढ़ते हुए इस प्रदुषण के लिए दिल्ली में चलने वाले वाहनों को जिम्मेदार मानती हैं । हमारा आपसे प्रश्न है :-

क्या दिल्ली की जनता भी यह मानती हैं की दिल्ली में बढ़ते प्रदुषण का मुख्य स्त्रोत / कारण दिल्ली में चलने वाले वाहन है ?

दिल्ली की जनता से एनटीवी अपील करता है की आप अपने राय ओर विचार व्यक्त करे और बताए की दिल्ली में प्रदुषण के लिए वह किसे मुख्य रूप से जिम्मेदार मानते हैं और आपके विचार से दिल्ली में बढ़ते प्रदुषण पर कैसे नियंत्रण किया जाना चाहिए . आपके और विशेषज्ञों के द्वारा दिए गए जवाबो और सुझावों को हम दिल्ली और भारत सरकार तक पहुंचा कर दिल्ली में बढ़ते प्रदुषण पर अंकुश लगाने का सफल प्रयास करेंगे और दिल्ली को पूर्ण रूप से प्रदुषण मुक्त राज्य बनवाने का कार्य करेंगे।

डीटीसी बस दहन का कहर, प्रशासन मौन, जनता बेहाल

एस.डी. सेठी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की कभी रही नंबर वन लाईफ लाइन डीटीसी बस सेवा अब नंबर दो पर आ चुकी है। सरकारी परिवहन व्यवस्था यानि डीटीसी बस सेवा ने अपने बेडे में शुमार पुरानी बसों का मोह अब तक नहीं छोडा है। इन्ही मोह के चलते पुरानी बसों को राजधानी की सडकों पर उतार कर आम जनता की जान से खिलवाड करने वाली सवारी गाडी का तमगा ले लिया है। रोज- रोज की बस दहन की घटनाओं ने नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर लिए है। मगर खेद सहित कहना पड रहा है कि दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग एक तरह से बस दहन की दुर्घटनाओ से तो लगता है कि वह बेफिक्र हो कुम्भकरणी नींद में मस्त किसी बडी और भयावह मंजर का इंतजार कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की सैंकडों बसों ने अब तक बीच सडक, चौक चौराहों, समेत भीडभाड क्षेत्रों में आग की लपटों में सडक समाधी ले ली है। मगर आग की लपटों में धू धूं कर जलने वाली बसों की सुध लेने वाला कोई नहीं है।

इस वक्त डीटीसी बसों में आग और बेलगाम बसों से गई बेकसूरों की जान माल के अलावा करोडों रूपये का डीटीसी को नुकसान उठाना पडा है। बावजूद इसके दिल्ली में नई सरकार के गठन के बाद से आज तक डीटीसी बेडे में एक भी बस डीटीसी के नाम पर ली गई है?

इस बेइंतजामी पर परिवहन आयुक्त समेत दिल्ली.सरकार की चुप्पी ने सवाल दर-सवाल खडे कर दिए है। बता दें कि ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने डीटीसी बसों को स्टेज कैरैज रूट पर 10 साल की बजाए 15 साल पुरानी बसों को सडकों पर उतरने की इजाजत दी है। 10 साल से ज्यादा उम्र की हद पार करने वाली अधिकतर बसे अग्नि समाधि ले रही हैं। लेकिन वहीं निजी व्यवसायिक गाडियों मे आग लगने पर एसटीए द्वारा गाडी मालिक को नोटिस जारी कर जवाब देही मांग ली जाती है। कारण बताओ नोटिस दे दिया जाता है। वहीं ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी गाडी का परमिट तक रद्द कर देती है। लेकिन डीटीसी की 15 साल पुरानी बसों को हांकने के लिए सडकों पर बेधडक उतारा जा रहा है। लेकिन दिल्ली सरकार छद्म वाहवाही लूटने की गर्ज से डीटीसी के बेडे में आज तक एक भी नई बस शामिल नहीं कर पाई है।

हर साल आग की भेंट चढने वाली डीटीसी बसों में 15 जून 22, लो फ्लोर एसी बस में आग, 26 अप्रैल नोन एसी लो फ्लोर बस में आग, आजाद पुर -एसी बस मे आग, आजाद पुर मंडी पर बस में आग, महीपाल पुर में लॉ फ्लोर एसी बस में भयानक आग, केशव पुरम, हैदर पुर बादली, में धूं धूं बस में आग, रिंग रोड , जैसे ट्रेफिक से लबालब सडकों पर बसों में आग से राजधानी में हडकंप मचा हुआ है।वहीं ब्रेक फेल ,खचडा गाडियों से एक्सीडेंट का सिलसिला जारी है। लेकिन दिल्ली सरकार सब कुछ देखते हुए भी आंख-कान सब बंद किये हुए है।

रोहतक रोड पर बस ने सडक किनारे बैठे गाडिये लुहारों को रोंद दिया, वहीं नारायणा रिंग रोड पर बस अंडर पास में जा घुसी। इसी तरह उम्र दराज पुरानी बस हादसों ने राजधानी की सडकों पर कहर बरपा रहीं हैं। हैरानी की बात है कि इलैक्ट्रानिक बसों, समेत क्लस्टर बसें सब निजी तौर पर खरीदी गई हैं। लेकिन डीटीसी बेडे में 2014 के बाद से आप सरकार ने एक भी नई बस नहीं खरीदी है। ये भी एक कीर्तिमान रिकार्ड है।

दिल्ली सरकार के ट्रांसपोर्ट विभाग को चाहये कि वह वक्त सबसे डीटीसी बस खरीद और उनके उचित मेंटेनेंस पर गौर करे। क्योंकि आगे आने वाली गर्मी के मौसम में तापमान के बढने से बसों में आग की घटनाओ में और इजाफा होने का डर दिल्ली वालों को सता रहा है।

राजधानी में चलेगा पीला पंजा: दिल्ली की 80 सड़कों पर कल गरजेगा बुलडोजर, हटाए जाएंगे अवैध कब्जे

नई दिल्ली। स्पेशल टास्क फोर्स ने अतिक्रमण हटाने के लिए डीडीए, पीडब्ल्यूडी व एमसीडी को 80 सड़कों से अतिक्रमण हटाने को कहा है। इन सड़कों पर लगभग 400 स्थानों पर अतिक्रमण की शिकायत मिली हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक बार फिर सोमवार से बुलडोजर चलेगा। स्पेशल टास्क फोर्स के निर्देश पर सभी संबंधित विभागों ने अतिक्रमण हटाने की तैयारी कर ली है। हालांकि, संबंधित निकायों के अधिकारियों का कहना है कि जिस समय पुलिस मिलेगी, अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

स्पेशल टास्क फोर्स ने अतिक्रमण हटाने के लिए डीडीए, पीडब्ल्यूडी व एमसीडी को 80 सड़कों से अतिक्रमण हटाने को कहा है। इन सड़कों पर लगभग 400 स्थानों पर अतिक्रमण की शिकायत मिली हैं।

डीडीए, पीडब्ल्यूडी व एमसीडी की सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए तीनों विभागों के संबंधित अधिकारियों ने दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों के उपायुक्तों से पुलिस बल मांगा है।

पुलिस बल मिलने के मामले में सोमवार सुबह स्थिति साफ होगी। स्पेशल टास्क फोर्स की पिछली बैठकों में विभिन्न स्थानों पर कब्जा करने व अतिक्रमण होने की शिकायतों पर चर्चा हुई थी। शिकायतकर्ताओं ने बताया है कि सड़कों पर अतिक्रमण होने के कारण अनेक स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रहती है और लोगों को गंतव्य पर पहुंचने में काफी समय लगता है। इसके अलावा वाहनों का ईंधन भी बेवजह खर्च होता है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

पहले चरण में नेहरू प्लेस से आईआईटी, दिल्ली की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के हिस्से की मरम्मत की जाएगी।

चिराग दिल्ली फ्लाईओवर: इन रास्तों का करें इस्तेमाल

फ्लाईओवर आज से मरम्मत के लिए बंद; 25 दिनों तक चलेगा काम

एनटीवी संवाददाता

पहले चरण में नेहरू प्लेस से आईआईटी, दिल्ली की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के हिस्से की मरम्मत की जाएगी। वहीं दूसरे चरण में आईआईटी, दिल्ली से नेहरू प्लेस की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के हिस्से की मरम्मत की जाएगी।

नई दिल्ली। मरम्मत कार्य को लेकर रविवार से चिराग दिल्ली फ्लाईओवर बंद रहेगा। नेहरु प्लेस से आईआईटी वाले कैरिजवे पर रविवार से मरम्मत कार्य शुरू हो रहा है। यह कार्य करीब 25 दिनों तक चलेगा। इसके चलते नेहरु प्लेस से चिराग दिल्ली, सीआर पार्क, नेहरु प्लेस, ग्रेटर कैलाश, चिराग दिल्ली, कालकाजी सहित अन्य जगहों पर भारी जाम लगने की संभावना है। दिल्ली यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को आईआईटी और एम्स जाने के लिए नेहरु प्लेस से लाला लाजपत राय मार्ग पर जाने की सलाह दी है।

लोक निर्माण विभाग रविवार से चिराग दिल्ली फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य शुरू करने जा रहा है। फ्लाईओवर के प्रत्येक परिवहन मार्ग की मरम्मत में करीब 25 दिन लगेंगे और इस दौरान फ्लाईओवर को यातायात के आवागमन के लिए बंद कर दिया जाएगा। जबकि अन्य मार्ग यातायात के लिए चालू रहेंगे।

पहले चरण में नेहरू प्लेस से आईआईटी, दिल्ली की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के हिस्से की मरम्मत की जाएगी। वहीं दूसरे चरण में आईआईटी, दिल्ली से नेहरू प्लेस की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के हिस्से की मरम्मत की जाएगी।

इस दौरान मार्ग के बंद होने से अन्य मार्गों पर वाहनों की संख्या बढ़ने से भारी जाम लगने की संभावना है। जिससे आम जनता को असुविधा हो सकती है। रेलवे स्टेशनों, हवाईअड्डों, अस्पतालों आदि की ओर जाने वाले यात्रियों को यातायात पुलिस ने सलाह दी है कि वह समय से पहले घर से निकले या फिर वैकल्पिक मार्ग का चयन करें।

यातायात पुलिस ने धौला कुआं, एम्स, डिफेंस कॉलोनी आदि की ओर जाने वाले यात्रियों को नेहरू प्लेस फ्लाईओवर के नीचे से दाएं मुड़कर अपने गंतव्य तक जाने के लिए मूलचंद अस्पताल फ्लाईओवर की ओर लाला लाजपत राय मार्ग से जाने की सलाह दी है।

इनसाइड

प्रेग्नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.

-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.

-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं: महिलाओं की गरिमा का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य, मीडिया से की ये अपील

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मीडिया से उम्मीद की जाती है कि वे अपने विज्ञापनों, समाचारों और कार्यक्रमों में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूरी संवेदनशीलता रखेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मीडिया से उम्मीद की जाती है कि वे अपने विज्ञापनों, समाचारों और कार्यक्रमों में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूरी संवेदनशीलता रखेंगे।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि उम्मीद है कि मीडिया अपने विज्ञापनों, समाचारों और कार्यक्रमों में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूरी संवेदनशीलता रखेगा। 'ऑल वुमन बाइक रैली' को हरी झंडी दिखाते हुए एक वीडियो संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह ऐसी प्रथाओं को छोड़ दे जो महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं।

परिवार में ही रखी जा सकती है महिलाओं के प्रति सम्मानजनक आचरण की नींव

मुर्मू ने कहा कि इस मौलिक कर्तव्य को निभाने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक की सोच महिलाओं के प्रति सम्मानजनक होनी चाहिए। महिलाओं के प्रति सम्मानजनक आचरण की नींव परिवार में ही रखी जा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा, माताओं और बहनों को अपने बेटों और भाइयों में महिलाओं को सम्मान देने के मूल्यों को विकसित करना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों को छात्रों के बीच महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की संस्कृति को मजबूत करने के लिए भी कहा।

चुनौतियों के बावजूद महिलाओं ने स्थापित किए सफलता के नए कीर्तिमान

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया से उम्मीद की जाती है कि वे अपने विज्ञापनों, समाचारों और कार्यक्रमों में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूरी संवेदनशीलता रखेंगे। मुर्मू ने कहा कि प्रकृति ने महिलाओं को मां बनने की क्षमता दी है और जिसके पास मातृत्व की क्षमता है, उसमें नेतृत्व की क्षमता स्वाभाविक रूप से मौजूद है। उन्होंने कहा कि तमाम सीमाओं और चुनौतियों के बावजूद महिलाओं ने अपने अदम्य साहस और कौशल के बल पर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

कामकाजी महिलाओं के लिए बेस्ट हैं ये हेल्थ केयर टिप्स

रोजमर्रा की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर महिलाओं को अपने लिए समय नहीं मिल पाता है. खासकर वर्किंग वुमन के लिए घर और ऑफिस को संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है. हालांकि वर्किंग वुमन अगर चाहें तो कुछ आसान तरीकों की मदद से ना सिर्फ घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच में अपना खास ख्याल रख सकती हैं बल्कि खुद को फिट और हेल्दी भी बना सकती हैं.

घर और ऑफिस का काम करते समय महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं. जिसके चलते आप कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का भी शिकार हो सकती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं वर्किंग वुमन के लिए कुछ आसान हेल्थ केयर टिप्स, जिसे फॉलो करके आप हेल्दी लाइफस्टाइल को फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

हैवी नाश्ता करें

काम में बिजी होने के कारण कई बार वर्किंग वुमन को खाने का समय नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप सुबह हैवी नाश्ता कर सकती हैं. इससे ना सिर्फ आपका पेट भरा रहेगा बल्कि काम के दौरान आपको भूख का भी कम अहसास होगा और आप काम पर पूरा फोकस कर पाएंगी.

हेल्दी डाइट लें

वर्किंग वुमन अक्सर भूख लगने पर जंक फूड या तला-भुना खाकर पेट भर लेती हैं. जिससे आपके शरीर में पोषण की कमी होने लगती है और आप बीमार भी पड़ सकती हैं. इसलिए हमेशा घर का खाना खाने पर जोर दें. साथ ही डाइट में दही, सीजनल फ्रूट्स और हरी सब्जियों जैसी न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों का सेवन करें. जिससे आप फिट और हेल्दी रह सकेंगी.

भरपूर पानी पिएं

वर्किंग वुमन अक्सर काम में उलझकर समय पर पानी पीना भी भूल जाती हैं. जिससे आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकती हैं. इसलिए काम के दौरान बीच-बीच में पानी जरूर पीएं. वहीं दिन में 8-10 गिलास पानी पीकर आप खुद को हाइड्रेटेड और एनर्जेटिक रख सकती हैं.

तनाव मुक्त रहें

घर और ऑफिस का काम मैनेज करने के चक्कर में कई बार महिलाएं स्ट्रैस लेने लगती हैं. जिससे ना सिर्फ आपका मूड खराब हो जाता है बल्कि काम में भी पूरी तरह से मन नहीं लग पाता है. इसलिए काम के बीच में खुद को खुश रखने की कोशिश करें. जिससे आप तनाव मुक्त रह सकेंगी.

रिलेक्सिंग थेरेपी ट्राई करें

वर्किंग वुमन को काम के दौरान अक्सर थकान महसूस होने लगती है. ऐसे में आप काम से 20 सेकेंड का ब्रेक लेकर आंखों को रिलैक्स कर सकती हैं. साथ ही हर 20 मिनट बाद वॉक करके आप बैक पेन की तकलीफ से भी बच सकती हैं.

सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भूमिका बढ़ाएगा आरएसएस, इन योजनाओं में मिलेगी अहम जिम्मेदारी

आरएसएस सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा के समालखा में आयोजित की जा रही संगठन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में इससे संबंधित विषयों पर विचार किया जा सकता है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। महिला सशक्तीकरण, परिवार कल्याण, लैंगिक भेदभाव उन्मूलन के प्रति जागरूकता, सांस्कृतिक कार्यों के प्रति परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण संवर्धन और समाज के विभिन्न वर्गों में आपसी सामंजस्य बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन द्वारा जारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में महिला स्वयंसेवकों को ज्यादा सशक्त भूमिका सौंपी जा सकती है। ये कार्यक्रम आरएसएस की महिला विंग राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से संचालित किए जा सकते हैं।

आरएसएस सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा के समालखा में आयोजित की जा रही संगठन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में इससे संबंधित विषयों पर विचार किया जा सकता है। विचार-विमर्श के बाद इससे संबंधित एक प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। संघ की सबसे शक्तिशाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में पास प्रतिवेदन को आगामी वर्षों में स्वयंसेवकों के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इस अर्थ में यह प्रस्ताव बेहद महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष तक संघ देश के हर ब्लॉक स्तर तक पहुंचने की योजना बना रहा है। अभी भी वह देश के 42,613 क्षेत्रों में 68,651 शाखाएं संचालित कर रहा है। इसे बढ़ाकर एक लाख शाखाएं किये जाने की योजना है। राष्ट्र सेविका समिति के द्वारा महिलाओं के लिए अलग से शाखा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। संघ महिलाओं की शाखाओं को बढ़ाने के लिए भी विचार कर रहा है। महिला शाखा

को दो गुना तक किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लिए राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से एक अलग अभियान संचालित किया जाएगा।

'दहेज-दानव को समाप्त करने के लिए अभियान चलाए संघ'

महिला अधिकारों के लिए लगातार मुखर रहने वाली लेखिका क्षमा शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि आरएसएस की यह पहल स्वागत योग्य है। महिलाएं इन विषयों के प्रति ज्यादा संवेदनशील होती हैं और वे इनसे सीधे तौर पर सबसे ज्यादा प्रभावित भी होती हैं, लिहाजा उन्हें इन योजनाओं से सीधे तौर पर जोड़कर ज्यादा सटीकता के साथ लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इससे महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण भी होगा।

उन्होंने कहा कि आरएसएस अपने-आपको हिंदू समाज की बेहतरी के लिए काम करने वाला संगठन बताता है। यदि ऐसा है तो उसे सबसे पहले दहेज जैसी समस्या के उन्मूलन के लिए कदम उठाना चाहिए। क्योंकि सच्चाई यह है कि तमाम प्रयासों के बाद भी हमारे समाज से यह समस्या समाप्त नहीं हुई है, बल्कि इसके उलट समय के साथ इसकी मांग और ज्यादा बढ़ती जा रही है।इसलिए यदि संघ महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए कोई कार्य करना चाहता है तो उसे सबसे पहले दहेज उन्मूलन के सामाजिक कार्यक्रम चलाने चाहिए।

अपनी लाइफ में शामिल स्पेशल लेडीज को दें ये खास गिफ्ट, पाते ही खिल उठेगा उनका खूबसूरत चेहरा

प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को पूरी दुनिया में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' सेलिब्रेट किया जाता है. हर साल यह दिवस एक खास थीम को ध्यान में रखकर मनाया जाता है. वर्ष 2023 की थीम 'एम्ब्रेसइक्विटी' (Embrace Equity) रखी गई है. 8 मार्च 1975 को युनाइटेड नेशंस द्वारा 'इंटरनेशनल वुमेंस डे' को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी. घर-परिवार, समाज आदि में महिलाओं की भागीदारी, उपस्थिति, योगदान और उनकी ताकत को सराहने, जश्न मनाने का दिन है महिला दिवस. महिला दिवस पर आप अपनी जिंदगी में मौजूद हर एक स्पेशल लेडी को खास गिफ्ट देकर ये जता सकते हैं कि आपकी लाइफ में उनका कितना महत्व है. डालें कुछ शानदार गिफ्ट्स आइटम पर एक नजर.

किताबें- कई महिलाएं किताबों की बेहद शौकीन होती हैं. उन्हें अच्छी-अच्छी बुक्स पढ़ने का शौक होता है. यदि आपके घर में आपकी मां, बहन, मौसी, चाची या फिर दोस्त को किताबें पढ़ने का शौक है, उन्हें सहेजना, कलेक्ट करने की हॉबी है तो फिर बुक्स से बेहतर उनके लिए कोई दूसरा सामान नहीं हो सकता है. यह एक ऐसा तोहफा है, जो वर्षों आपके साथ रहता है. आप चाहें तो फिक्शन-नॉन फिक्शन, कॉमेडी, कविता, उपन्यास, कला और साहित्य जगत से संबंधित कोई भी किताब गिफ्ट कर सकते हैं. आप उनकी फेवरेट राइटर की किताब देंगे तो उनके चेहरे पर मुस्कुराहट जरूर आ जाएगी.

हरे-भरे पौधे करें गिफ्ट- आजकल गिफ्ट्स में एक-दूसरे को तरह-तरह के प्लांट्स देने का ट्रेंड भी काफी बढ़ गया है. यह एक बेहतरीन गिफ्ट आइडिया इसलिए भी है, क्योंकि इसे देखते ही सामने वाले का मूड फ्रेश हो जाएगा. घर में हरियाली होने से पॉजिटिव सोच और एनर्जी भी मिलती है. घर का वातावरण फ्रेश बना रहता है. यदि आपके घर में किसी भी लेडी को प्लांट लगाने और इंडोर पौधे रखने का शौक है तो ये गिफ्ट उन्हें जरूर दें. साथ ही आप फूलों का गुलदस्ता भी दे सकते हैं.

गिफ्ट हैंपर दें- आजकल हैंपर देने का भी ट्रेंड खूब है. लोग अपनों को उनके फेवरेट आइटम्स को एक साथ पैक करा कर हैंपर

तैयार कराते हैं और स्पेशल ओकेजन पर बतौर तोहफा प्रजेंट करते हैं. आप भी हैंपर में मेकअप आइटम, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट्स आदि चीजें मिक्स-मैच करके डलवाएं और अपनी फेवरेट लेडी को वुमेंस डे पर गिफ्ट करते हुए इस दिन की ढेरों बधाई दें.

घड़ी, मोबाइल करें गिफ्ट- यदि आपकी बहन, मां या फिर दोस्त को घड़ी या मोबाइल की जरूरत है तो उन्हें ये गिफ्ट देकर उन्हें सरप्राइज कर सकते हैं. हो सकता है आपकी बहन या मम्मा का मोबाइल सही से चल ना रहो हो और उन्हें नया खरीदना हो. यह नेक काम आप भी कर सकते हैं. आए दिन तरह-तरह के स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच लॉन्च होते हैं. अपने बजट के अनुसार ये गिफ्ट खरीदने का सोच सकते हैं.

इयरबड्स भी देना है बेस्ट आइडिया- आजकल इयरबड्स का इस्तेमाल भी लोग खूब करते हैं. यह फायदेमंद भी है, क्योंकि ड्राइव करते समय कान में इसे लगाकर आप किसी से भी फोन पर आराम से बात कर सकते हैं. गाने सुन सकते हैं. गिफ्ट में टेक की चीजें पाकर कोई भी खुश हो जाएगा. साथ ही इन्हें सेलेक्ट करने में भी पसंद-नापसंद वाली समस्या नहीं आती है. हां, बजट जितना हो, उसी के अंदर आप टेक आइटम खरीद कर गिफ्ट करें.

हैंडबैग दें- महिलाओं के पास जितनी वेरायटी के हैंडबैग हों, उतना ही उनके लिए कम होता है. तो क्यों ना आप उनके कलेक्शन में एक और स्टाइलिश डिजाइन का हैंडबैग शामिल कर दें. शॉपिंग मॉल में ढेरों ब्रांडेड बैग्स उचित दामों में उपलब्ध होते हैं. आप चाहें तो ऑनलाइन भी शॉपिंग कर सकते हैं.

जूलरी, ड्रेस- महिलाओं को जूलरी और कपड़ों का बेहद शौक होता है. शॉपिंग के लिए जब वे घर से निकलती हैं तो कुछ ना कुछ इनमें से खरीद ही लेती हैं. आपको लग रहा है कि आपके घर में किसी भी लेडी को कपड़ों या जूलरी की जरूर है तो आप जरूर खरीद कर गिफ्ट करें. उनका दिन बन जाएगा.

इनसाइड

बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, गैंग का सरगना इंजीनियर समेत चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सेक्टर-7 द्वारका निवासी अमीर जीशम, राहुल सिंह, नरेला निवासी रेखा और नोएडा निवासी शिवम शर्मा के रूप में हुई है। तीन जनवरी को शकूरपुर निवासी मनीष गुप्ता ने उत्तर पश्चिम जिला साइबर सेल में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने की शिकायत की।

उत्तर पश्चिम जिला में बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी फर्जी कॉल सेंटर चला ठगी को अंजाम दे रहे थे। साइबर सेल की टीम ने ठगी करने वाले चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। गैंग का सरगना इंजीनियर है। आरोपी पीड़ितों का ऑनलाइन टेस्ट और टेलीफोन पर साक्षात्कार लेते थे और उन्हें नौकरी के फर्जी ऑफर लेटर भी जारी करते थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 10 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, 7 एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, पासबुक, चेक बुक और दस्तावेज बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी एक साल में ढ़ाई सौ से ज्यादा लोगों से ठगी कर चुके हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सेक्टर-7 द्वारका निवासी अमीर जीशम, राहुल सिंह, नरेला निवासी रेखा और नोएडा निवासी शिवम शर्मा के रूप में हुई है। तीन जनवरी को शकूरपुर निवासी मनीष गुप्ता ने उत्तर पश्चिम जिला साइबर सेल में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने की शिकायत की। उसने बताया कि नौकरी की तलाश करने के दौरान उसने वेब पोर्टल पर नौकरी के लिए आवेदन किया था। कुछ दिनों के बाद उसके पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने एचडीएफसी बैंक में अकाउंटेंट की नौकरी की पेशकश की। उसके बाद उससे पंजीकरण शुल्क के रूप में 15 सौ की मांग की गई। इसके बाद आरोपियों ने उसका ऑनलाइन टेस्ट और फोन पर साक्षात्कार किया। फिर ईमेल के जरिए ऑफर लेटर भेजा गया। उसके बाद अलग-अलग मद में उससे 69 हजार रुपये ठग लिए।

निरीक्षक के के झा के नेतृत्व में लाभार्थी के बैंक खातों का विवरण एकत्र किया। एकत्र की गई जानकारी की छानबीन की गई और तकनीकी निगरानी बढ़ा दी गई। छानबीन से पता चला कि आरोपी द्वारका सेक्टर सात में फर्जी कॉल सेंटर चलाकर लोगों से ठगी कर रहे हैं। पुलिस ने स्थानीय खुफिया जानकारी हासिल कर सेक्टर-7, द्वारका के एक मकान पर छापेमारी कर एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यहां से पुलिस ने सारा सामान बरामद कर लिया। जांच में पता चला कि आमिर जीशम और राहुल पचास फीसदी हिस्सेदारी पर कॉल-सेंटर चला रहे थे। आरोपी पिछले छह माह से सेंटर चला रहे थे और इसका 15 हजार किराया दे रहे थे। रेखा को 20 हजार रुपये के मासिक वेतन पर टेली-कॉलर के रूप में रखा था। वह कमीशन के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के बैंक खातों और सिम कार्ड की व्यवस्था भी करती थी।

'पिता की मृत्यु के बाद उन पर यौन शोषण का आरोप सस्ती लोकप्रियता तो नहीं'? भाजपा ने उठाए ये सवाल

एनटीवी संवाददाता

भाजपा नेताओं ने मालीवाल के एक पुराने ट्वीट को टैग भी किया है। इसमें मालीवाल ने कहा, मैं फौजी की बेटी हूं, फौज में पली-बढ़ी हूं, देश के लिए काम करना और जान देना सीखा है, मुझे दुनिया की कोई ताकत डरा नही सकती।

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के यौन शोषण वाले बयान पर निशाना साधा है। भाजपा नेताओं ने मालीवाल के एक पुराने ट्वीट को टैग भी किया है। इसमें मालीवाल ने कहा, मैं फौजी की बेटी हूं, फौज में पली-बढ़ी हूं, देश के लिए काम करना और जान देना सीखा है, मुझे दुनिया की कोई ताकत डरा नही सकती। भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री को मेल कर मालीवाल के बयान का जांच कराने की मांग की है।

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ने स्वाति के बयान पर जताई चिंता

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि शनिवार को मालीवाल ने बचपन में पिता द्वारा यौन शोषण की बात कहीं, जो चिंताजनक है पर वहीं 2016 में एक ट्वीट में पिता को अपना गौरव बताया है, आखिर किस ट्वीट पर यकीन किया जाए। भाजपा नेता जगदीश मामगई ने कहा कि पहले अपने फौजी पिता पर नाज कर देश के लिए काम करने व जान देने की बात कही, अब बचपन में फौजी पिता पर यौन शोषण का आरोप लगाया। इसकी जांच होनी चाहिए। दुष्कर्म हुआ तो पिता पर और नहीं हुआ तो फौजी पर कलंक लगाने वाली बेटी पर कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को लिखी चिट्ठी

पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल ने एक कदम आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को मेल भेजकर मालीवाल के आरोपों की जांच करने की मांग की है। कहा है कि इसकी जांच होनी चाहिए कि पिता की मृत्यु के बाद उन पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाना सस्ती लोकप्रियता के लिए तो नहीं किया गया है।

यह था मामला

दिल्ली महिला आयोग की ओर से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए स्वाति ने कहा था कि मैं चौथी कक्षा तक अपने पिता के साथ रही। जब मेरे पिता घर आते थे तो मैं डर जाती थी। वह गुस्से में मुझे बेवजह पीटते थे। डर के कारण मैंने कई रातें बिस्तर के नीचे छिपकर बिताई हैं। मैं डरकर सहमती और कांपती रहती थी। तड़प में उस समय मैं केवल यह सोचती थी कि ऐसा क्या किया जाए कि शोषण करने वाले और घरेलू हिंसा करने वाले आदमियों को सबक सिखा सकूं। उन्होंने कहा था कि मेरी जिंदगी में मेरी मां, मेरी मौसी, मौसाजी और मेरे नानी-नानाजी न होते तो शायद मैं उस पीड़ा से बाहर नहीं निकल पाती और शायद यहां न होती जहां मैं आज खड़ी हूं।

दिल्ली में खौफनाक घटना: कुत्तों ने दो सगे भाइयों को नोच-नोचकर मार डाला, शरीर के किए कई टुकड़े

बड़े भाई की उम्र 7 वर्ष और छोटे भाई की उम्र 5 वर्ष है। तीन भाइयों में दोनों सबसे छोटे भाई थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पांच से छह लावारिश कुत्तों ने दो सगे भाइयों को नोच-नोच कर मार डाला। बड़े भाई को 2 दिन पहले नोचा था जबकि छोटे भाई को कुत्तों ने नोच- नोच कर रविवार को मार डाला। बड़े भाई की उम्र 7 वर्ष और छोटे भाई की उम्र 5 वर्ष है। तीन भाइयों में दोनों सबसे छोटे भाई थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। हालांकि बड़े भाई के शव का पोस्टमार्टम हो चुका है। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने बताया कि बच्चे के शरीर पर कुत्तों के काटने के बहुत सारे निशान पाए गए हैं। शरीर के कई अंग करीब करीब अलग हो गए थे। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार सुषमा अपने 9 वर्षीय बड़े बेटे, 7 वर्षीय बेटे आनंद और 5 वर्षीय आदित्य के साथ सिंधी कैंप, वसंत कुंज इलाके में रहती है। बताया जा रहा है कि सुषमा का पति इलाहाबाद यूपी में रहता है। आनंद शुक्रवार को सुबह दस बजे अपनी ताई के घर जाने के लिए निकला था। वह ताई के घर नहीं पहुंचा। दोपहर तीन बजे ताई सुषमा के पास पहुंची और बताया कि आनंद उसके पास नहीं पहुंचा है इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शाम 5:00 बजे आनंद का शव लहूलुहान अवस्था में एक प्लॉट पर पड़ा मिला। आनंद के शरीर पर कुत्तों के नाचने के निशान थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले का कोई गवाह नहीं है। पुलिस ने आनंद के शव का पोस्टमार्टम करवा दिया है। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने कहा है कि आनंद के शरीर पर कुत्तों के नोचने के 20 से ज्यादा निशान पाए गए हैं। पुलिस ने आनंद के शव को परिजनों को सौंप दिया।

परिवार इस दुख से उभरा भी नहीं था कि एक बार फिर रविवार को परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सबसे छोटा भाई आनंद सिंधी कैंप में ही रहने वाले चचेरे भाई के साथ सुबह शौच के लिए गया था। तभी पांच से छह कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। आदित्य की आवाज सुनकर उसका चचेरा भाई व पुलिस के एएसआई मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्तों को भगाकर आदित्य को स्पाइनल इंजरी अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों को कहना है कि इस घटना का गवाह आदित्य का चचेरा भाई जो कि 24 वर्ष का है। वसंत कुंज थाना पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों को कहना है कि इस बच्चे के शरीर पर भी कुत्तों के नोचने के बहुत ज्यादा निशान हैं।

विकास मालू के फार्म हाउस पहुंची दिल्ली पुलिस होली पार्टी के दौरान मौजूद स्टाफ से की पूछताछ

एनटीवी संवाददाता

सानवी का दावा है कि सतीश ने करीब तीन साल पहले विकास को 15 करोड़ रुपये निवेश के लिए दिए थे। न तो सतीश को रुपये वापस किए गए और न ही उनको कोई मुनाफा दिया गया।

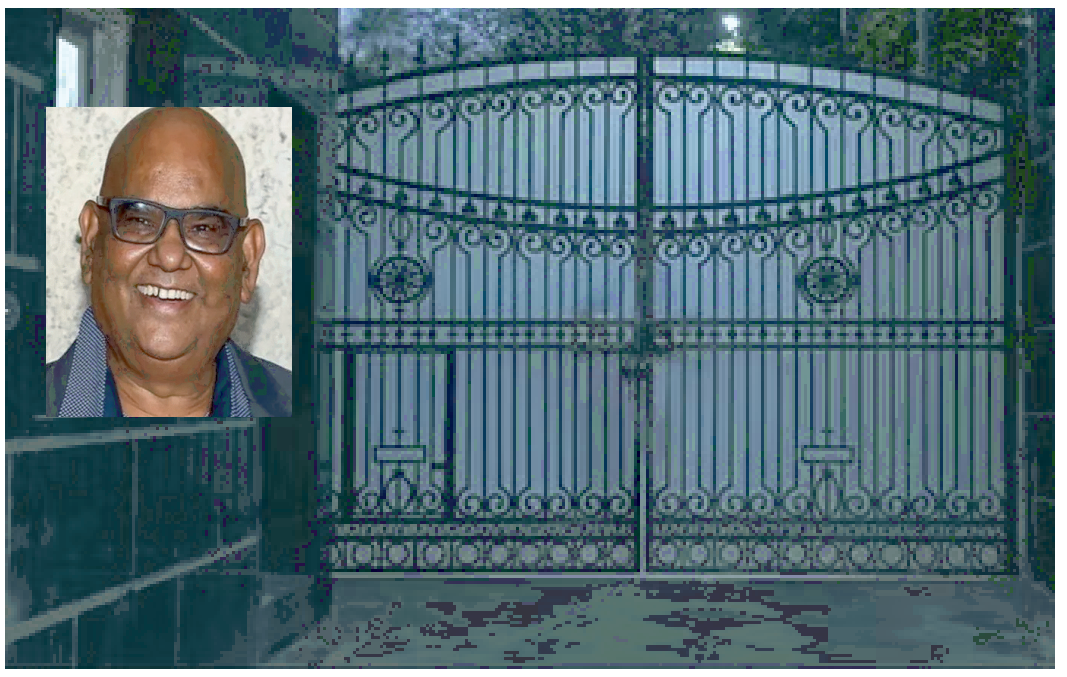

नई दिल्ली। अभिनेता व निर्देशक सतीश कौशिक की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस रविवार को उनके करीबी दोस्त विकास मालू के फार्म हाउस गई। पुलिस ने होली पार्टी के दौरान फार्म हाउस पर मौजूद स्टाफ के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने इसके अलावा वहां मौजूद प्रवेश रजिस्टर व गार्ड रूम की भी जांच की।

विकास की पत्नी ने पति पर लगाया सतीश कौशिक की हत्या करने का आरोप

बता दें कि सतीश कौशिक के दोस्त विकास की दूसरी पत्नी सानवी मालू ने अपने पति और उनके सहयोगियों पर सतीश की हत्या करवाने का आरोप लगाते दिल्ली पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के आधार पर जांच शुरू हो गई है। मामले की जांच दक्षिण पश्चिम जिले के एक इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है।

सतीश ने विकास को दिए थे 15 करोड़

सानवी का दावा है कि सतीश ने करीब तीन साल पहले विकास को 15 करोड़ रुपये निवेश के लिए दिए थे। न तो सतीश को रुपये वापस किए गए और न ही उनको कोई मुनाफा दिया गया। रुपये वापस मांगने पर विकास ने साजिश के तहत सतीश की षडयंत्र रचकर हत्या करवा दी। इस चिट्ठी के बाद हड़कंप मच गया है। मामले पर फिलहाल पुलिस का कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। अब पुलिस इस केस की कैसे जांच करेगी सबकी इस पर नजर है।

विकास ने किया था पैसे लौटाने का वादा

दिल्ली के ईस्ट शालीमार बाग निवासी सानवी मलिक ने बताया कि वर्ष 2019 में उनकी विकास से बकायदा शादी हुई थी। 23 अगस्त 2022 को दुबई वाले घर पर सतीश विकास के पास आए थे। उस समय उन्होंने रुपयों की सख्त जरूरत होने की बात कर अपने रुपये मांगे थे। इसको लेकर दोनों के बीच नोंकझोंक भी हुई थी। विकास मालू ने जल्द ही भारत में सतीश के रुपये वापस देने का वादा किया था।

अंडरवर्ल्ड से हैं मेरे पति के संबंध

सानवी ने बताया कि विकास ने कहा था कि कोविड में सारे रुपये डूब गए। अब सतीश को कौन रुपये वापस करेगा। इसको किसी न किसी तरह रास्ते हटा दिया जाएगा। इसके लिए विदेशी लड़कियों का इंतजाम कर इसको दवाइयों को ओवरडोज दे दी जाएगी। सानवी ने यह भी आरोप लगाए कि उसके पति से अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम से भी संबंध हैं। अब होली पर सतीश की विकास के फार्म हाउस पर तबीयत बिगड़ना और उनकी हार्ट अटैक से मौत सब साजिश लग रही है।

जल संकट पर BJP का हमला: 'नौ लाख मिलियन क्यूसेक पानी हो रहा बर्बाद', गर्मी के लिए समर एक्शन प्लान की मांग

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि पिछले एक दशक से दिल्ली वाले पानी की अनियमित सप्लाई, कमी के साथ ही गंदे पानी का संकट झेल रहे है। सरकार दिल्ली जल बोर्ड और हरियाणा की राज्य सरकार पर दोषारोपण करती है और खुद पल्ला झाड़ लेती है। भाजपा ने पानी की समस्या को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। कहा है कि पानी की बर्बादी की वजह से लोगों को पानी नहीं मिल पा रही है। साथ ही गंदे पानी की सप्लाई के लिए भी सरकार जिम्मेदार है। भाजपा ने सरकार से समर एक्शन प्लान बनाने की मांग की है ताकि गर्मी के दिनों में जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। प्रदेश भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि पिछले एक दशक से दिल्ली वाले पानी की अनियमित सप्लाई, कमी के साथ ही गंदे पानी का संकट झेल रहे है। सरकार दिल्ली जल बोर्ड और हरियाणा की राज्य सरकार पर दोषारोपण करती है और खुद पल्ला झाड़ लेती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल ने लापरवाही की पोल खोल दी है। हर वर्ष दिल्ली में जल जनित बीमारी के लिए भी सरकार जिम्मेदार हैं। सचदेवा ने कहा है की दिल्ली वाले यह जान कर स्तब्ध हैं कि वजीराबाद वाटर प्लांट में गाद जमा है। यही वजह है कि हरियाणा से आने वाला पानी दिल्ली अपने वजीराबाद प्लांट में रोकने में असमर्थ है, लगभग 9 लाख मिलियन क्यूसेक पानी यमुना में बह जाता है। सच्चाई यह है कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार दिल्ली सरकार को उसके हिस्से का पानी देती है।

कोर्ट ने पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को किया बरी, कहा- सबूत पर्याप्त नहीं

दिल्ली की एक अदालत ने पुलिस हेल्पलाइन 100 पर एक फोन कॉल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी एक व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष किसी को जान से मारने की धमकी साबित करने के लिए कोई सबूत दिखाने में विफल रहा। आनंद परबत पुलिस ने जनवरी 2019 में प्रधानमंत्री के खिलाफ हेल्पलाइन पर कॉल करने और अपमानजनक भाषा और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मोहम्मद मुख्तार अली के खिलाफ आईपीसी की धारा 506 (II) के तहत आरोप पत्र दायर किया था। धारा 506 आपराधिक धमकी से संबंधित है और इसका दूसरा भाग उन लोगों के खिलाफ लगाया जाता है जो मौत या गंभीर चोट पहुंचाने की धमकी देते हैं। पुलिस के मुताबिक, मुख्तार अली ने दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर न सिर्फ प्रधानमंत्री को मारने की धमकी दी, बल्कि उनको अपशब्द भी कहे थे।

मौसम गर्म होने के बाद भी राहत की उम्मीद नहीं, अधिकतर RT-PCR जांच निगेटिव, डॉक्टरों ने दी ये सलाह

एनटीवी संवाददाता

डॉक्टरों कहना है कि एच3एन2 भी कोरोना की तरह फैल रहा है, लेकिन इसका प्रभाव कम है। इनमें से ज्यादा संक्रमित मरीजों की आरटी पीसीआर जांच की जा रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली के अस्पतालों में एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन संक्रमित मरीजों में गंभीरता कम है। डॉक्टरों की माने तो लक्षणों के साथ अस्पताल पहुंच रहे अधिकतर मरीजों की आरटी पीसीआर रिपोर्ट निगेटिव पाई जा रही है, हालांकि उन्हें खांसी, बुखार और जुकाम की शिकायत है। पहले से अस्थमा व सांस के मरीजों में सांस लेने में दिक्कत पाई जा रही है।

डॉक्टरों कहना है कि एच3एन2 भी कोरोना की तरह फैल रहा है, लेकिन इसका प्रभाव कम है। एम्स, डॉ. राम मनोहर लोहिया, सफदरजंग, लेडी हार्डिंग, लोकनायक, जीटीबी, डीडीयू, संजय गांधी, आंबेडकर सहित दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में एच3एन2 के लक्षणों के साथ हजारों मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें से ज्यादा संक्रमित मरीजों की आरटी पीसीआर जांच की जा रही है।

एम्स मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर पीयूष रंजन के मुताबिक, एच3एन2 कोविड की तरह ही है। इससे बचाव के लिए सख्ती से कोविड नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एम्स में ऐसे लक्षणों के साथ आने वाले मरीजों की आरटी पीसीआर जांच की जा रही है जो निगेटिव पाई जा रही है। वहीं मौसम गर्म होने पर उन्होंने कहा कि तापमान बढ़ने का इससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए मौसमी फल के साथ पौष्टिक आहार लेना चाहिए। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए।

अलर्ट पर अस्पताल

एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के मरीजों के उपचार के लिए दिल्ली के अस्पताल अलर्ट मूड पर हैं। अस्पतालों में उपचार के लिए अलग से वार्ड भी बनाए गए हैं। लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि फिलहाल एच3एन2 वायरस से पीड़ित कोई मरीज भर्ती नहीं है। अस्पताल में 20 आइसोलेशन के बिस्तर ऐसे मरीजों के आरक्षित किए गए हैं।

वहीं लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज व सुचेता कृपाल अस्पताल के निदेशक डॉ. सुभाष गिरी ने बताया कि अस्पताल में एच3एन2 को देखते हुए फीवर क्लीनिक बनाया गया है। इसके अलावा कुछ बिस्तर भी रिजर्व किया गए हैं। जरूरत पड़ने पर इनकी संख्या को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में निमोनिया के कुछ मरीज भर्ती हुए हैं उनका उपचार चल रहा है।

तीन महीने एक्सप्रेसवे पर राहगीरों को झेलनी होंगी परेशानी, डायवर्ट रहेगा यातायात

एनटीवी न्यूज

अंडरपास और फ्लाईओवर निर्माण के दौरान एक्सप्रेस वे पर वाहनों को दिल्ली की ओर कैरिजवे के साथ से स्लीप रोड की ओर मोड़ा जाएगा। डायवर्जन के साथ ही वाहन चालकों को कुछ वैकल्पिक रास्तों का सुझाव भी एनएचएआई की ओर से दिया जा रहा है।

नई दिल्ली। गुरुग्राम से दिल्ली या दिल्ली से गुरुग्राम आने-जाने वाले वाहन सवारों को अगले तीन महीने तक परेशानी झेलनी होगी। अगले तीन महीने दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे की मुख्य लेन को बंद कर यातायात को सर्विस रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। डायवर्जन के साथ ही वाहन चालकों को कुछ वैकल्पिक रास्तों का सुझाव भी एनएचएआई की ओर से दिया जा रहा है। डायवर्जन आज से शुरू हो गया है।

बताया जा रहा है कि दिल्ली में दो अंडरपास व एक फ्लाईओवर का निर्माण करने के लिए एक्सप्रेस वे का 500 मीटर का हिस्सा बंद किया गया है। शिव मूर्ति के पास एक अंडरपास द्वारका एक्सप्रेसवे को नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ेगा, जबकि दूसरा द्वारका लिंक रोड को एनएच-48 दिल्ली जयपुर एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। अधिकारियों के मुताबिक, अंडरपास और फ्लाईओवर निर्माण के दौरान एक्सप्रेस वे पर वाहनों को दिल्ली की ओर कैरिजवे के साथ से स्लीप रोड की ओर मोड़ा जाएगा।

शिव मूर्ति चौराहे के पास एक्सप्रेसवे पर वाहनों को नए स्लीप रोड पर मोड़ा जाएगा। इस रोड से रोजाना करीब 75 हजार वाहन गुजरते हैं। ऐसे में गुरुग्राम से दिल्ली के बीच आवागमन करने वाले वाहनों को एमजी रोड व कापसहेड़ा की तरफ से डायवर्ट किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्य 90 दिन में पूरा हो जाएगा। इस हिस्से में 90 दिन बाद ही यातायात सुचारू रूप से बहाल हो पाएगा।

इनसाइड

महिला को गाड़ी में खींचकर अगवा करने का प्रयास

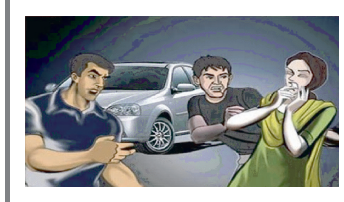

खोड़ा। इतवार बाजार में शाम पौने छह बजे कार सवार शहजाद नाम युवक ने राह चलती महिला को गाड़ी में खींचकर अगवा करने का प्रयास किया। महिला ने जब विरोध किया तो आरोपी ने कॉलर फाड़ दिया फिर बाल पकड़कर घसीट दिया। लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी गाड़ी लेकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी पर नामजद मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने बताया कि वह अपनी मां के घर से अकेले लौट रही थी। रास्ते में खोड़ा निवासी शहजाद गाड़ी से उतरा और सरे बाजार में उनका हाथ पकड़कर कार में अंदर खींचने लगा। उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने पीटा और कुर्ते का कॉलर फाड़ दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने उनके बाल पकड़कर सड़क पर गिरा दिया। शोर सुनकर अन्य लोग इकट्ठा हो गए, जिन्हें देखकर आरोपी गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना के बाद उन्होंने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी बात बताई। पिता के साथ खोड़ा थाने पहुंचकर उन्होंने आरोपी शहजाद के खिलाफ मुकदमा कराया। कार्यवाहक एसीपी रवि कुमार का कहना है कि आरोपी की तलाश में टीम दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गाड़ी को भी जल्द बरामद किया जाएगा।

बदमाशों ने छात्र को ऑटो में खींचकर की लूटपाट

गाजियाबाद। ऑटो गैंग एक बार फिर सक्रिय हुआ है। गिरोह के सदस्यों ने विजयनगर क्षेत्र में घर जा रहे छात्र विशाल चौरसिया को ऑटो में खींचकर लूटपाट की और चाकू के बल पर मोबाइल के जरिये दो हजार रुपये भी ट्रांसफर करा लिए। घटना शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे की है। बहरामपुर निवासी विशाल चौरसिया ने विजयनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

विशाल के पिता सरवन चौरसिया ने बताया कि उनका बेटा दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। साथ ही वह कैटरिंग वालों के साथ भी काम करता है। शुक्रवार तड़के वह काम करके ही घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान कुछ साधन नहीं मिलने पर वह हिंडन पुल के पास पैदल घर आ रहा था। वह खुद साइकिल से थे तो उससे आगे निकल गए। उनका बेटा काफी देर बाद जब घर आया तो उसने बताया कि रास्ते में एक ऑटो आया। उसमें चालक समेत तीन लोग सवार थे। ऑटो सवारों ने उन्होंने जबरन ऑटो खींच लिया और बहरामपुर की ओर सुनसान इलाके में ले गए। वहां उन्होंने उसकी पिटाई की और मोबाइल और नकदी छीन ली।

एसीपी नगर अंशु जैन ने बताया कि मामले में टीम लगाई गई हैं। जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा। बदमाश उसका मोबाइल फेंक गए थे, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए ऑटो से लूट करने वाले बदमाशों के फरार साथियों के बारे में जानकारी की जा रही है।

चाकू की नोंक पर मोबाइल का लॉक खुलवाकर कराए रुपये ट्रांसफर

विशाल ने बताया कि ऑटो सवार बदमाशों ने उनसे मोबाइल और एक हजार रुपये लेने के बाद उनकी पिटाई की। इसके बाद उन्होंने चाकू दिखाकर मोबाइल का लॉक खुलवाया और यूपीआई के जरिये एक नंबर पर रुपये ट्रांसफर करने को कहा। पहले उन्होंने 10 रुपये ट्रांसफर करवाए जो ट्रांसफर नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने उन्हें फिर मारा। इसके बाद उन्होंने अकाउंट में पड़े दो हजार रुपये ट्रांसफर करवाए और उसे सड़क पर छोड़कर फरार हो गए।

30 सेकंड में कार चोरी करने वाले गिरोह के छह गिरफ्तार

गाजियाबाद। 30 सेकंड में कार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के छह शातिरों को नंदग्राम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जो दिल्ली एनसीआर में करीब एक साल से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इन्होंने नंदग्राम क्षेत्र में एक गोदाम में वाहन काटन का काम कर रहा था। पुलिस ने इनके पास तीन कार समेत कई कारों के पार्ट्स व कार को स्टार्ट करने और उसके दरवाजा खोलने के सामान बरामद किया है।

एसीपी नंदग्राम आलोक दुबे ने बताया कि पकड़े गए शातिर मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन निवासी नदीम, हरिद्वार मंगलौर के लंढोरा निवासी अफसर, मेरठ किला परीक्षितगढ़ निवासी अफजल, डासना निवासी नाम चांद, कय्यूम और दानिश हैं। इनके खिलाफ वाहन चोरी समेत अन्य मामलों के अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह बनाकर वाहन चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं। सुनसान इलाके में खड़ी कारों को पहले रैकी करते हैं इसके बाद मौका देखकर चोरी कर लेते हैं। इस दौरान दो साथी अलग-अलग रास्तों पर खड़े होकर आने-जाने वालों पर नजर रखते हैं और एक या दो लोग कार चोरी करते हैं। इसके बाद उनकी नंबर प्लेट बदलकर ले जाते हैं। करीब एक साल से वाहन चोरी का काम कर रहे हैं। एक साल में करीब 100 कार चोरी कर चुके हैं।

एसीपी ने बताया कि इनके गिरोह के अन्य लोगों के बारे में जानकारी की जा रही है।

काटकर कबाड़ियों को बेच देते थे

पूछताछ में बताया कि कागज नहीं होने के कारण पुरानी कार बेचने में दिक्कत होती है। ऐसे में वे कार के पार्ट्स अलग करके कबाड़ियों को बेच देते थे। नंदग्राम में एक गोदाम किराये पर ले रखा है। जहां चोरी के वाहन ले जाकर काटते हैं। एसीपी ने बताया कि गोदाम को किराए पर देने के मामले की भी जांच की जा रही है।

बरामद कार हाल में की थी चोरी

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद की गई कार हाल में ही चोरी की थी। सेंट्रो कार नया बस अड्डा स्थित मस्जिद के पास से चोरी की थी। जबकि वैगनआर कार मेरठ के सिविल लाइन क्षेत्र से डेढ़ महीने पहले और आई-10 कैर 10 दिन पहले किठौर के अतराड़ा से चोरी की थी।

दसवीं पास ने ठगे 12 करोड़: दो दिन पहले ही खोला था कॉल सेंटर, 500 विदेशियों को ऐसे ठगा, अंग्रेजी फर्राटेदार...

गाजियाबाद के इंदिरापुरम के ज्ञानखंड में दो दिन पहले ही कॉल सेंटर खोला था। आरोपियों ने 500 विदेशी लोगों के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने कॉल सेंटर से कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना पुलिस ने शुक्रवार को ज्ञानखंड-2 में ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया जहां से विदेशी लोगों को ठगा जा रहा था। सेंटर को 10वीं पास शातिर विजय तलवार चला रहा था।

उससे पूछताछ में खुलासा हुआ कि सॉफ्टवेयर अपडेट और कंप्यूटर की समस्याओं को दूर करने के नाम पर वह और उसका गिरोह 500 विदेशी लोगों से 12 करोड़ की ठगी कर चुके हैं।

पुलिस ने कॉल सेंटर से कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी 10वीं-12वीं पास हैं। इन्होंने अंग्रेजी बोलने का कोर्स कर रखा है। ठगी के लिए कॉल करते समय खुद को कंप्यूटर का एक्सपर्ट बताते हैं। विजय तलवार ने पुलिस को बताया कि वह ठगी का यह धंधा लंबे समय से चला रहा है। लोगों के खाते साफ करने के हथकंडे उसने अपने साथी पीयूष गुप्ता से सीखे थे। इसके बाद खुद का गिरोह बना लिया और कॉल सेंटर खोलकर ठगी करने लगा।

वह नोएडा और दिल्ली में कॉल सेंटर चला चुका है। एडीसीपी अपराध विवेक यादव ने बताया कि विजय और उसके साथी दो साल से ठगी कर रहे हैं। अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस सहित कई देश के लोगों के साथ ठगी की गई है।

एक फीसदी कमीशन देता था

पूछताछ में सरगना विजय तलवार ने बताया कि उसने अच्छी अंग्रेजी बोलने वाले लड़कों को कॉल करने के लिए रखा था। जिन्हें वह 20 से 25 हजार रुपये प्रति माह वेतन और ठगी की रकम का 1 प्रतिशत कमीशन इंसेंटिव के रूप में देता है।

इन्हें किया गिरफ्तार

कौशांबी के वैशाली सेक्टर-5 निवासी विजय तलवार (10वीं पास), खोड़ा कॉलोनी के पवन विहार निवासी संजय, हरियाणा के फरीदाबाद निवासी सार्थक, मनमीन सिंह, नई दिल्ली मयूर विहार निवासी मयंक, अभिषेक मित्तल, दिल्ली उत्तमनगर निवासी नोएल, खीरी के गांव पतवाड़ा बड़ा सरखना पूरव पलिया कला निवासी लोकेंद्र सिंह, दिलशाद गार्डन निवासी विपिन उप्रेती, मोहित त्रेहन, नोएडा सेक्टर 120 निवासी प्रशांत, मुरादनगर की गांधी कॉलोनी निवासी आशु त्यागी, इंदिरापुरम न्यायखंड-1 निवासी ध्रुव सिंह और प्रयागराज के राजापुर निवासी आकिब हुसैन को गिरफ्तार किया है।

रोडरेज मामले में युवक को पीटा, पिस्टल दिखाकर की फायरिंग

गाजियाबाद। पहले कार से बाइक में खुद टक्कर मारी, बाइक सवार ने ठीक से चलाने के लिए कहा तो कार सवार युवकों ने बाइक सवार की बेरहमी से पिटाई कर दी। मौके पर लोगों ने मामला शांत कराया। वहां से जाने के बाद कुछ दूरी पर कार सवारों ने बाइक सवार को फिर रोक लिया और पिटाई कर दी। इसी दौरान एक युवक ने बाइक सवार पर पिस्टल दिखाकर फायरिंग कर दी। जिसमें युवक बाल-बाल बच गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। घटना शुक्रवार देर रात की है। मामले में नंगला गांव निवासी मृदुल ने नंदग्राम थाने में केस दर्ज कराया है। मृदुल पानी का काम करते हैं। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो फरार हैं। एसीपी नंदग्राम आलोक दुबे ने बताया कि शुक्रवार देर रात नंदग्राम थाना पुलिस को मृदुल नाम के युवक ने सूचना दी कि राजनगर एक्सटेंशन फ्लाईओवर के नीचे हुई कार सवार युवकों ने बाइक में टक्कर मारकर मारपीट की। इसके बाद वह वीवीआईपी मॉल के पास पहुंचे तो कार सवारों ने उन्हें फिर रोकर पीटा। इस दौरान उनमें से एक युवक ने गोली मारने की बात की और फायरिंग कर फरार हो गए। एसीपी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर टीमें लगाई हैं। शनिवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी मुरादनगर के देधा निवासी देवा (20), शिवधाम कॉलोनी निवासी हिमांशु (20), मोरटा निवासी शिवम (24) और मुरादनगर के नंगला निवासी उदित (19) हैं। पूछताछ में पता चला कि शराब के नशे में इन्होंने वारदात की। इनके पास से दो पिस्टल, एक तमंचा और कार बरामद की है। उदित और हिमांशु पर हत्या समेत अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। संजयनगर में सराफ अजय वर्मा के यहां डकैती के प्रयास में भी रोडरेज में आरोपी आयुष त्यागी और विशाल सहरावत शामिल हैं। दोनों फरार हैं और पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

मारुति की कारों पर डिस्काउंट और हीरो के नए इलेक्ट्रिक स्कूटर का टीजर

आज का दिन ऑटो सेक्टर के लिए काफी व्यस्त था। हीरो इलेक्ट्रिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक नई इलेक्ट्रिक स्कूटर का टीजर जारी किया है। वहीं मारुति की कारों पर बंपर डिस्काउंट मिल रहा है।

नई दिल्ली। आज ऑटो सेक्टर में काफी कुछ नया देखने को मिला है। जहां दो पहिया पैसेंजर व्हीकल के निर्यात में गिरावट आई है, तो वहीं Lamborghini अब छोटे शहर और कस्बों तक अपना दायरा बढ़ाने की तैयारी कर रही है। ये हैं आज की सभी खास खबरें।

दो पहिया पैसेंजर व्हीकल के निर्यात में आई गिरावट

भारतीय बाजार में दो पहिया वाहन का क्रेज काफी अधिक है। लेकिन दो पहिया वाहनों और तिपहिया वाहनों के निर्यात में फरवरी में 35 प्रतिशत की गिरावट आई है। जिसके पीछे मुख्य कारण अफ्रीकी महाद्वीप में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मुद्रा कमजोर होना है। यहां पढ़ें पूरी खबर

इटालियन वाहन निर्माता कंपनी लेम्बोर्गिनी अब छोटे केंद्रों में भी ग्राहकों तक पहुंचेगी और अपने बाजार को तेजी और आगे बढ़ाएगी। सुपर स्पोर्ट्स कार निर्माता कंपनी का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था काफी तेजी से बढ़ते जा रही है और पहली जनरेशन के उद्योगपति में तेजी से बढ़ावा हो रहा है जिससे उन्हें लगता है कि भविष्य में व्यापार विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी और विकास होगा। यहां पढ़ें पूरी खबर

जल्द ही दस्तक देगा Hero का नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

हीरो इलेक्ट्रिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक नई इलेक्ट्रिक स्कूटर का टीजर जारी किया है। टीजर इमेज में एक स्कूटर दिखाया गया है जो थोड़ा-बहुत हीरो ऑप्टिमा के समान दिखता है, जो ब्रांड का अब तक का सबसे अधिक बिकने वाले मॉडल में से एक है। हालांकि आने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर हीरो ऑप्टिमा के रूप में आएगा या पूरी तरह से नया मॉडल होगा, ये अभी तक स्पष्ट नहीं है। उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी इसे अगले हफ्ते 15 मार्च तक इसे लॉन्च कर सकती है। यहां पढ़ें पूरी खबर

Maruti की कारों पर मिल रहे हैं 54000 रुपये तक के ऑफर्स

वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इग्निस, सियाज और बलेनो जैसे मॉडलों पर भारत में नए और कड़े नियम बीएस6 चरण 2 और आरडीई उत्सर्जन मानदंडों का पालन करने के चलते अपनी कारों पर बंपर छूट और ऑफर दे रही है। मारुति सुजुकी इग्निस हैचबैक पर आकर्षक डिस्काउंट दे रही है। अगर आप नई इग्निस हैचबैक खरीदते हैं तो आपको 54 हजार रुपये तक की छूट मिल सकती है। इसमें आपको 35 हजार रुपये तक की नकद छूट, 15 हजार रुपये तक का एक्सचेंज ऑफर और 4,000 रुपये तक के कॉर्पोरेट डिस्काउंट मिल रहा है। यहां पढ़ें पूरी खबर

पैसेंजर व्हीकल्स में 11 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज

किसी नेशनल हाइवे पर यदि आप यात्रा कर रहे हैं और अचानककोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाती है तो आपको घबराने की कोई जरूरत नहीं है। आपको 8577051000 या फिर 7237999911 कॉल करना है। इसके बाद NHAI की एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंच जाएगी। आपको बता दें, ये सुविधा बिल्कुल मुफ्त होती है। अगर आपको फर्स्ट एड की जरूरत होती है तो वो तुरंत आपको ये भी देंगे। अगर स्थिति गंभीर हो तो आपको नजदीकी अस्पताल ले जाया जाता है। यहां पढ़ें पूरी खबर

नए दमदार इंजन और शानदार फीचर्स से लैस Hyundai Alcazar 2023

भारतीय बाजार में Hyundai Motor India, Hyundai Alcazar का 2023 वेरिएंट लेकर आई है, जो एक नए इंजन और फीचर्स से लैस है। वाहन निर्माता कंपनी ने इस कार के डिजाइन को दमदार लुक दिया है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो मात्र 25 हजार रुपये टोकन राशि देकर इसे बुक करा सकते हैं।

इनसाइड

घर में ईवी चार्जर कैसे करें इंस्टाल? आसान भाषा में समझें स्टेप बॉय स्टेप तरीका

इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट इंस्टाल होने के बाद आप आप अपनी ईवी चार्ज कर सकते हैं। हालांकि घर पर चार्जिंग करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए जैसे कि तुरंत गाड़ी को धुलने के बाद उसे चार्जिंग में लगाने से बचना चाहिए नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता है।

नई दिल्ली। यदि आप इलेक्ट्रिक कार या इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के मालिक हैं और आपको अपने व्हीकल को चार्ज करने में समस्या आ रही है तो आप इसे अपने घर पर ही चार्ज कर सकते हैं। घर में ईवी चार्जर को कैसे इंस्टाल करना होगा उसके बारे में आपको संपूर्ण जानकारी नीचे दी जा रही है।

अगर आपका एक ही परिवार है और आपके पास इलेक्ट्रिक व्हीकल है तो आपको लेवल 2 चार्जर की जरूरत पड़ेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कई प्रकार के चार्जर हैं। हालांकि, यदि आप इसे अपने निजी वाहन के लिए यूज करते हैं तो लेवल 2 से आपका काम बन जाएगा। ईवी चार्जर को इंस्टाल करने के लिए सबसे पहले एक सर्टिफाइड इलेक्ट्रीशियन हायर करें। ताकि वह आपके घर के बनावट और वायरिंग इंफ्रा को देखकर सही जगह को बता सके। काम ठीक से और सुरक्षित रूप से करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन के बुनियादी ढांचे के बारे में ज्ञान रखने वाले एक प्रमाणित इलेक्ट्रीशियन को काम पर रखना उचित है। यह आपके घर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए भी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट इंस्टाल होने के बाद आप आप अपनी ईवी चार्ज कर सकते हैं। हालांकि, घर पर चार्जिंग करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे कि तुरंत गाड़ी को धुलने के बाद उसे चार्जिंग में लगाने से बचना चाहिए, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता है।

इन स्टेप को फॉलो करके घर पर ही बनाएं ईवी चार्जिंग प्वाइंट

Step 1 : इलेक्ट्रिशियन को हायर करें

Step 2 : परमिशन लें

Step 3 : सही जगह ढूढें

Step 4 : लेवल 2 चार्जर को खरीदें

Step 5 : चार्जर को इंस्टॉल करवाएं

अप्रैल से गाड़ियों में होने वाला है अहम बदलाव, जानिए RDE से संबंधित सभी सवालों के जवाब

अभी तक गाड़ी का प्रदूषण स्तर जांचने के लिए प्रयोगशाला का सहारा लेना पड़ता था लेकिन अब रियल ड्राइविंग एमिशन के लागू होने से वाहन की वास्तविक समय में उत्सर्जन स्तर की निगरानी रखी जा सकती है। इसके लिए अब इंजन को थोड़ा एडवांस डिजाइन किया जाएगा।

नई दिल्ली। इस समय ऑटो सेक्टर में रियल ड्राइविंग एमिशन यानी RDE सबसे हॉट टॉपिक है। सरकार ऑटो सेक्टर के लिए नए नॉर्म को लागू करने जा रही है, जिसका उद्देश्य गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने का है। इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं, रियल ड्राइविंग एमिशन क्या होता है? वाहन निर्माण करने वाली कंपनियां अपनी गाड़ियों में क्या बदलाव करेंगी? साथ ही इसके फायदे और नुकसान के बारे में।

रियल ड्राइविंग एमिशन क्या है?

Real Driving Emission को BS6 के दूसरे चरण के तौर पर देखा जाता है। बीएस6 को पहली बार 2020 में पेश किया गया था। अभी तक गाड़ी का प्रदूषण स्तर जांचने के लिए प्रयोगशाला का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन अब रियल ड्राइविंग एमिशन के लागू होने से वाहन की वास्तविक समय में उत्सर्जन स्तर की निगरानी रखी जा सकती है। इसके लिए अब इंजन को थोड़ा एडवांस डिजाइन किया जाएगा।

वाहन निर्माण करने वाली कंपनियां करेंगी ये बदलाव

नए नियम के लागू हो जाने के बाद गाड़ी बनाने वाली कंपनियां अपने मौजूदा इंजन में यूज होने वाली तकनीक को अपडेट करेंगी। डीजल इंजन वैसे भी महंगा पड़ता है, ऐसे में नए नॉर्म के तहत आने वाली डीजल गाड़ियां अधिक महंगी हो जाएंगी। 1 अप्रैल 2023 से लागू होने वाले इस नियम के चलते बहुत सी कंपनियों ने पुरानी गाड़ियों को बंद करने का फैसला लिया है। अब वे नए इंजन के साथ अपनी गाड़ियों को वापस लाने के लिए तेजी से काम कर रही हैं।

भारत में दिन-प्रतिदिन प्रदूषण का स्तर बढ़ता चला जा रहा है। वहीं देश में गाड़ियों की संख्या में भी तेजी ग्रोथ देखने को मिली है। इसी वजह से सरकार इससे निपटने के लिए 2020 में भारत स्टेज 6 या बीएस6 नॉर्म्स को लागू किया था। अब इसी को और भी एडवांस बनाने के लिए सरकार दूसरे चरण को 1 अप्रैल 2023 से लागू करने जा रही है।

भारत स्टेज एमिशन नॉर्म क्या है?

रियल ड्राइविंग एमिशन मानदंडों को बेहतर ढंग से समझने के लिए भारत स्टेज एमिशन नॉर्म्स को समझना महत्वपूर्ण है। भारत सरकार द्वारा विनियमित भारत स्टेज एमिशन नॉर्म्स ऐसे मानक हैं, जिनका वाहन निर्माता वाहन उत्सर्जन को नियंत्रित और विनियमित करने के लिए पालन करते हैं। 2023 में लागू होने वाला नया मानदंड यानी रियल ड्राइविंग एमिशन इसी चरण को अपडेटेड वर्जन है।

फायदा

इस नियम के लागू होने से आगे होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सकता है। वाहन मालिक गाड़ी चलाते समय या फिर सड़को पर सैर करते समय उतना ज्यादा प्रदूषण महसूस नहीं करेंगे।

नुकसान

नए मानदंडों अपना ऑटो सेक्टर के लिए अपने आप में चैलेंज है, क्योंकि कंपनियों को पुरानी मॉडल को बंद करके उसको नए मानदंड़ों के हिसाब से बनना अपने आप में बड़ा काम है। इसके अलावा, इस नियम के लागू होते ही गाड़ियों की कीमतें बढ़ जाएंगी, जिससे आम आदमी के जेब पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

Hero MotoCorp करेगी अपनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर रेंज का विस्तार, जानें क्या है कंपनी का प्लान

अब टू व्हीलर कंपनियां ईवी में तेजी ला रही हैं। इनमें बड़ी वाहन निर्माता कंपनियों में शामिल हीरो मोटोकॉर्प भी है। कंपनी अगले 12-18 महीनों में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर रेंज का विस्तार करने की योजना बना रही है।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की योजना अगले 18-24 महीनों में अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की यूनिट्स को बढ़ाना चाहती है। क्योंxकि यह देश में विभिन्न ग्राहक के मांग को पूरा करने की योजना बना रही है। आपको बता दें कंपनी ने, बेंगलुरु और जयपुर में Vida ब्रांड के तहत अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री पहले ही शुरू कर दी है और नए उत्पादों को रोल आउट करने से पहले अगले वित्तीय वर्ष में दूसरे शहरों में भी मौजूद रेंज पेश करने की योजना बना रही है।

VIDA V1 इलेक्ट्रिक स्कूटर

कंपनी तीन शहरों दिल्ली, बेंगलुरु और जयपुर में लॉन्च के साथ ग्राहकों का अनुभव लेना चाहती है ताकि अन्य शहरों में भी आसानी से काम किया जा सके। Hero MotoCorp ने पिछले साल अक्टूबर में VIDA V1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को दो वेरिएंट प्रो और प्लस में लॉन्च किया था। VIDA V1 की टक्कर इंडियन मार्केट में बजाज चेतक, टीवीएस आईक्यूब, एथर एनर्जी, हीरो इलेक्ट्रिक और ओला इलेक्ट्रिक जैसे अन्य स्कूटरों से है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की ब्रिकी में हुई उछाल

कंपनी इस वित्त वर्ष में नए ब्रांड को बाजार में स्थापित करने में सफल रही है और अगले साल बड़े बाजारों में इसको उतारने का समय आ गया है। हम पहले से ही तीन महीने के अंदर और शहरों में इस स्कूटर को लॉन्च करने वाले है और फिर अगले साल Vida V1 को बड़े बाजारों में भी लॉन्च करेगे। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में देश में जबरदस्त ग्रोथ देखी जा रही है। FADA के अनुसार, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले साल 6,28,671 यूनिट्स रही, जो 2021 में 1,55,422 यूनिट्स की तुलना में चार गुना अधिक थी।

Maruti Suzuki 2026 तक लेकर आ सकती है Jimny का इलेक्ट्रिक वर्जन, जानें इसमें क्या कुछ होगा खास

Maruti Suzuki Jimny Electric कंपनी द्वारा बनाई गई पांच में से एक इलेक्ट्रिक मॉडल का हिस्सा है। इस कार रास्ता यूरोपीय बाजार में बनाएगी।फिलहाल सुजुकी की ओर से Jimny EV को यूरोपीय बाजार में लेकर आने की घोषणा कर दी गई है।

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन का क्रेज लोगों में काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। लोग इसे खरीदना काफी पसंद करते हैं। ईवी को लेकर मारुति भी काफी तेजी से काम कर रही है। हाल के दिनों में वाहन निर्माता कंपनी मारुति ने अपनी 5 ड़ोर वाली जिम्नी को ऑटो एक्सपो २०२३ में पेश किया था ,जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई थी। इसका इंतजार लोग काफी समय से कर रहे थे। वहीं कंपनी ने इस कार के लिए बुकिंग भी ओपन कर दी है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो आप इसे कंपनी की वेबसाइट पर जाकर या फिर आसपास के डीलरशिप पर जाकर बुक करा सकते हैं। लेकिन जैसा कि हमने आपको बताया कंपनी का प्लान ईवी को लेकर काफी दमदार है तो कंपनी मारुति सुजुकी जिम्नी को भी साल २०२६ तक इलेक्ट्रिक वर्जन में लेकर आने वाली है। जो एक पूरी तरह से ऑफ-रोड कार होगी।

जिम्नी 3-डोर इलेक्ट्रिक वर्जन

हाल के दिनों में कंपनी ने कार्बन तटस्थता के लिए अपनी योजना का खुलासा किया था। इसमें, वित्त वर्ष २०२४ से शुरू होने वाली पांच नई इलेक्ट्रिक पेशकशें शामिल हैं।एक मॉडल eVX कॉन्सेप्ट का प्रोडक्शन वर्जन होगा, वहीं दूसरा सिल्हूट जिम्नी 3-डोर का इलेक्ट्रिक वर्जन है।

Maruti Suzuki Jimny Electric

Maruti Suzuki Jimny Electric कंपनी द्वारा बनाई गई पांच में से एक इलेक्ट्रिक मॉडल का हिस्सा है। इस कार रास्ता यूरोपीय बाजार में बनाएगी। जिम्नी को यूके जैसे बाजारों के लिए एक निजी वाहन के रूप में पुनर्जीवित किया जाएगा जहां इसे वर्तमान में CO२ नियमों को पूरा करने के लिए एक कमर्शियल वाहन के रूप में बेचा जा सकता है। फिलहाल सुजुकी की ओर से Jimny EV को यूरोपीय बाजार में लेकर आने की घोषणा कर दी गई है।

आपको बता दें सुजुकी द्वारा यूरोपीय बाजार के लिए इस ईवी की घोषणा के दौरान जिम्नी EV का एक टीजर दिखाया गया है। इससे उम्मीद ये लगाई जा रही है कि Jimny के ३ डोर एडिशन को ही पहले इलेक्ट्रिक मॉडल रूप में पेश किया जाएगा। आपको जानकारी के मुताबिक बता दें, सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ऑफ रोडर एसयूवी Jimny का फुल इलेक्ट्रिक वर्जन अभी विकसित कर रही है। जिमी इलेक्ट्रिक को २०२६ तक बाजार में लेकर आया जा सकता है। पहले Jimny ३-डोर का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश किया जाएगा।

H3N2 Influenza तेजी से फैल रहा है....

ललित गर्ग

स्वाभाविक ही स्वास्थ्य विभाग लोगों से सावधान रहने और बचाव के उपाय आजमाने की अपील कर रहा है। मगर इसमें राहत की बात यह है कि भारत की अधिकतर आबादी को कोरोना के टीके लगाए जा चुके हैं, बहुत सारे लोग एहतियाती खुराक भी ले चुके हैं।

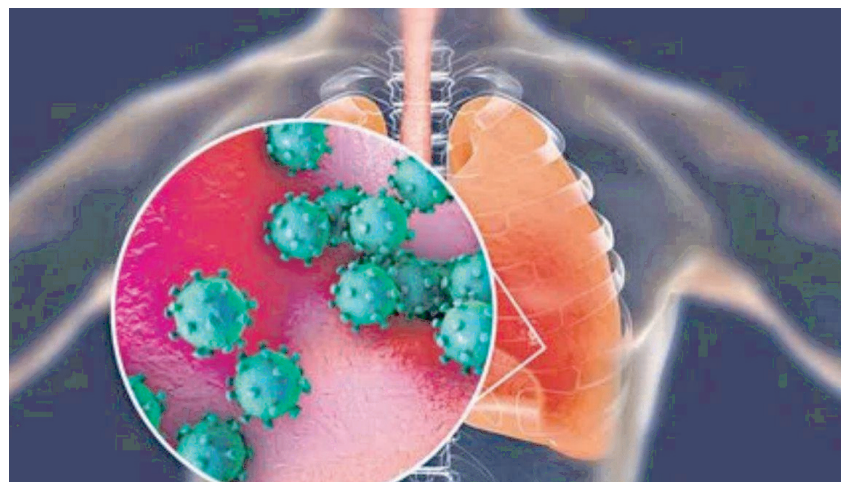

कोविड-19 वायरस की तरह ही है इन्फ्लूएंजा का विषाणु। यह इन दिनों देश में अपना खतरनाक प्रभाव दिखाने लगा है, जिससे अब तक हरियाणा और कर्नाटक में एक-एक मौत भी हो चुकी है। इस नये वायरस से खांसी, बुखार और गले में जलन की तकलीफें बढ़ रही हैं। इन दिनों गला खराब होने की शिकायत आम है जो पीड़ति को लम्बे समय तक परेशान कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में एच3एन2 वायरस के लगभग 90 मामले सामने आए हैं। एच1एन1 वायरस के आठ मामलों का भी पता चला है। विशेषज्ञों के अनुसार वायरस अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने और निकट संपर्क से फैलता है। डॉक्टरों ने नियमित रूप से हाथ धोने और मास्क लगाने समेत कोविड जैसी सावधानियों की सलाह दी है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने छींकने और खांसने के दौरान मुंह और नाक को ढंकने, बहुत सारे तरल पदार्थ, आंखों और नाक को छूने से बचने और बुखार और शरीर में दर्द के लिए पेरासिटामोल के सेवन का आग्रह किया है। नये वायरस को लेकर बरती जा रही लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए भी लोगों को अपने स्वास्थ्य को लेकर लगातार सावधानी बरतने की अपेक्षा है। बाहर निकलते समय ऐसे तमाम उपाय अपनाने चाहिए जिनसे वातावरण में पनप रहे विषाणुओं को शरीर में प्रवेश करने से रोका जा सके। पर ऐसी स्थितियों में सरकारी स्वास्थ्य तैयारियां भी पहले से रहनी चाहिए, ताकि लोगों में अफरातफरी जैसी स्थिति न बनने पाए। आम जनता भी अपनी जीवनशैली को सात्विक एवं संयममय बनाये, ताकि नये वायरस का प्रभाव कम से कम हो।

पिछले कुछ महीनों से अधिकांश लोग खांसी के शिकार होते हुए देखे गये हैं। देश में फ्लू के मामले भी बढ़ रहे हैं। अधिकांश संक्रमण एच3एन2 वायरस के कारण होते हैं, जिसे 'हांगकांग फ्लू' के रूप में भी जाना जाता है। यह वायरस देश में अन्य इन्फ्लुएंजा उपप्रकारों की तुलना में अधिक खतरनाक है जो अस्पताल में भर्ती होने का कारण बनता है। भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है। दोनों वायरस में कोविड जैसे लक्षण हैं। जैसा कि सर्वविदित है कि कोविड ने दुनिया भर में लाखों लोगों को संक्रमित किया और 68 लाख लोगों की मौत हुई। महामारी के दो साल बाद बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है। लक्षणों में लगातार खांसी, बुखार, ठंड लगना, सांस फूलना और घरघराहट शामिल हैं। मरीजों ने मतली, गले में खराश, शरीर में दर्द और दस्त की भी सूचना दी है। ये लक्षण लगभग एक सप्ताह तक बने रह सकते हैं।

भारत की संस्कृति एवं जीवनशैली ने पूर्व कोरोना कहर को परास्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्योंकि योग, अहिंसा, शाकाहार, संयम आदि जीवन के आधारभूत जीवनमूल्य इसी देश की माटी में रचे-बसे हैं। विशेषतः भारत में जैन धर्म एवं उसका जीवन-दर्शन कोरोना संकट के दौर में समाधान के रूप में सामने आया है, जैनमुनि मुंह पर पट्टी (मुंहपत्ती) बांधते हैं, जिसे मास्क के रूप में समूची दुनिया ने अंगीकार किया था। सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग), आइसोलेशन, व क्वारंटीन (एकांत) जैन मुनि एवं साधक के जीवन के अभिन्न अंग दुनिया के लिये कोरोना मुक्ति के सशक्त आधार बने थे। शाकाहार एवं मद्यपान का निषेध भी जैन जीवनशैली का आधार है, जिनका बढ़ता प्रचलन कोरोना महासंकट से मुक्ति का बुनियादी सच बना था। लगता है कोरोना जाते-जाते दुनिया में शाकाहार का सशक्त वातावरण बना कर गया, लेकिन नये एच3एन2 और एच1एन1 के संक्रमण भी ऐसे भारतीय प्रयोगों एवं उपक्रमों को बडे.पैमाने पर अपनाने की अपेक्षा को जाहिर कर रहे हैं।

कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के अलावा बड़े वयस्कों और छोटे बच्चों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए संक्रमण गंभीर हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हाल ही में डॉक्टरों से आग्रह किया है कि संक्रमण जीवाणु है या नहीं, इसकी पुष्टि करने से पहले मरीजों को एंटीबायोटिक्स न दें, क्योंकि वे एक प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं। एक बार फिर नए विषाणु का संक्रमण तेजी से फैलना शुरू हो गया है। इन्फ्लूएंजा का यह विषाणु भी कोविड विषाणु की तरह ही लोगों को प्रभावित कर रहा है, हालांकि इससे उस तरह भयभीत होने की जरूरत नहीं है, मगर इसका लंबे समय तक लोगों पर असर बना रह रहा है। इस विषाणु के पैदा होने की एक खास वजह मौसम के अचानक सर्द से गर्म होने को बताया जा रहा है। अब यह विषाणु इतनी तेजी से संक्रमण फैला रहा है कि अस्पतालों में भीड़भाड़ देखी जाने लगी है, कई अस्पतालों ने इसके लिए अलग से वार्ड बना दिया है। इसी विषाणु के प्रभाव में कोरोना के मामले भी बढ़े हुए दर्ज हो रहे हैं।

स्वाभाविक ही स्वास्थ्य विभाग लोगों से सावधान रहने और बचाव के उपाय आजमाने की अपील कर रहा है। मगर इसमें राहत की बात यह है कि भारत की अधिकतर आबादी को कोरोना के टीके लगाए जा चुके हैं, बहुत सारे लोग एहतियाती खुराक भी ले चुके हैं, इस तरह ज्यादातर लोगों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। मगर जब भी कोई विषाणु अपने पांव पसारता है, तो स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की अपेक्षा सदा बनी रहती है, क्योंकि विषाणु न सिर्फ तेजी से संक्रमण फैलाते, बल्कि अपने रूप भी बदलते रहते हैं, जन हानि का कारण भी बनते हैं। कोरोना के समय भी यही हुआ, जब विषाणु ने दूसरे दौर में अपना रूप बदल कर खुद को इतना ताकतवर बना लिया था कि बहुत सारे लोगों को उसका प्रकोप झेलना मुश्किल हो गया था। इसलिए इन्फ्लुएंजा के विषाणु का प्रभाव बेशक सामान्य मौसमी खांसी, जुकाम, बुखार जैसा लग रहा हो, पर उसे नजरअंदाज करना एक महासंकट को आमंत्रित कर सकता है। विषाणुओं के प्रभाव से बचने का सबसे बेहतर उपाय साफ-सफाई रखना, भीड़भाड़ से बचना, हाथ धोते रहना, मास्क पहनना बताया जाता है।

आमतौर पर देखा जाता है कि कोई भी नया विषाणु इसलिए अधिक ताकतवर होकर फैलता है कि लोग उससे बचाव के उचित उपाय नहीं आजमाते, लापरवाही बरतते हैं। भारत जैसे देश में, जहां आबादी का दबाव अधिक है और प्रायः बड़ी आबादी साफ-सफाई को लेकर सतर्क नहीं देखी जाती, विषाणुओं के संक्रमण का खतरा अधिक बना रहता है। इसलिए इससे बचाव को लेकर सतर्कता ही पहला और प्रभावी उपाय है। वायरस से होने वाली खांसी के बढ़ने का बड़ा कारण चीकनी चीजों एवं मांसाहार-मद्यपान का अधिक मात्रा में प्रयोग करना भी है। विश्वभर के डॉक्टरों ने कोरोना के दौर में शाकाहारी भोजन को ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ माना है। फल-फूल, सब्जी, विभिन्न प्रकार की दालें, बीज एवं दूध से बने पदार्थों आदि से मिलकर बना हुआ संतुलित आहार भोजन में कोई भी जहरीले तत्व नहीं पैदा करता एवं नये आक्रमण कर रहे वायरस से लड़ने में सक्षम बना सकता है। इन्फ्लूएंजा के विषाणु एवं वायरस से वे लोग अधिक भयग्रस्त हो सकते हैं, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। हमारा शरीर गलत खानपान एवं जीवनशैली से उत्पन्न जहरीले तत्वों को शरीर से पूर्णतया निकालने में सामर्थ्यवान नहीं हैं। नतीजा यह होता है कि उच्च रक्तचाप, दिल व गुरदे आदि की बीमारी मांसाहारियों को जल्दी आक्रांत करती है। इसलिए एच3एन2 और एच1एन1 के संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिये यह नितांत आवश्यक है कि स्वास्थ्य की दृष्टि से हम पूर्णतया शाकाहारी एवं संयमित रहें।

संपादक की कलम से

पूर्वोत्तर का भगवा आगाज

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों-त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय-के जनादेश भाजपा की विजयी रणनीति के इच्छा-पत्र कहे जा सकते हैं, जबकि कांग्रेस पूरी तरह नाकाम रही है। त्रिपुरा में करीब एक साल पहले जो सत्ता-विरोधी लहर महसूस की जा रही थी, भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर उसे थाम लिया। कांग्रेस को मात्र 3 सीटें ही नसीब हुईं। वामदलों के साथ कांग्रेस का गठबंधन त्रिपुरा में भी बुरी तरह पराजित हुआ। बंगाल में इन दोनों के हिस्से लगभग 'गोल अंडा' ही आया था। साफ है कि लोगों को यह नापाक गठबंधन स्वीकार नहीं है। नागालैंड में कांग्रेस बिल्कुल 'शून्य' रही। मेघालय में 5 सीटों से संतोष करना पड़ा है। तृणमूल ने दलबदल कर नाम धारण किया था। तब 12 विधायक थे, लेकिन अब चुनाव में 5 ही रह गए हैं।

लिहाजा तृणमूल भी इन चुनावों में अप्रासंगिक ही रही। दरअसल भाजपा का यह राष्ट्रीय विरोध पूर्वोत्तर में प्रतीकात्मक है, क्योंकि यह 2024 के आम चुनाव के जनादेश को सत्यापित नहीं करता। फिर भी इन चुनावों ने साबित कर दिया है कि पूर्वोत्तर में भी भाजपा सबसे ताकतवर पक्ष है। प्रधानमंत्री मोदी 'नंबर वन' हैं, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी 'नंबर दो' नहीं हैं। त्रिपुरा में भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनेगी, जबकि नागालैंड में भाजपा-एनडीपीपी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला है। मेघालय में 'त्रिशंकु जनादेश' की स्थिति जरूर है, लेकिन सबसे बड़े दल एनपीपी के नेता एवं मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने फोन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन और आशीर्वाद मांगा है, जाहिर है कि वहां की सत्ता में भी भाजपा भागीदार रहेगी। इस तरह पूर्वोत्तर से 'भगवा' का विजयी आगाज हुआ है, लिहाजा एक नए मनोबल और उत्साह के साथ भाजपा का काडर अन्य राज्यों के चुनावों में सक्रिय होगा। गौरतलब यह है कि मेघालय और नागालैंड ईसाई-बहुल राज्य हैं। वहां 16,000 से अधिक चर्च हैं। एक समुदाय ने चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ एक सार्वजनिक पत्र तक लिखा था। ईसाई बुनियादी, वैचारिक और सामाजिक तौर पर भाजपा-समर्थक नहीं माने जाते। आदिवासी भी पहले भाजपा-समर्थक नहीं थे। दोनों ही समुदाय कांग्रेस के परंपरागत समर्थक और वोट रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने तमाम राजनीतिक समीकरण बदल दिए। उन्होंने अभी तक 52 बार पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे किए।

शिलॉन्ग में प्रधानमंत्री ने जिस तरह रोड-शो किया, वैसा हमने किसी भी प्रधानमंत्री का नहीं देखा। यह जनता से सीधे जुड़ाव का गंभीर प्रयास था। इसके अलावा सडक़, बिजली, पानी से लेकर पक्के घर, रेलवे और हवाई अड्डों तक का विस्तार स्पष्ट देखा जा सकता है। भारत की विविधता और अखंडता के लिए प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर और शेष भारत के मानस को बदला, नतीजतन पूर्वोत्तर वाले दिल्ली को 'इंडिया' नहीं समझते और पूर्वोत्तर राज्यों को भी देश की मुख्यधारा में शामिल किया गया। केंद्रीय मंत्री औसतन 15-20 दिन पर किसी न किसी पूर्वोत्तर राज्य का प्रवास करते हैं। केंद्र में पूर्वोत्तर के विकास का एक विशेष मंत्रालय भी कार्यरत है। अब बजट या अनुदान प्राप्त करने के लिए 30 फीसदी कमीशन नहीं देना पड़ता, लिहाजा पूर्वोत्तर दिल्ली की सत्ता का 'एटीएम' भी नहीं रहा है। त्रिपुरा में राजपरिवार की 'तिरपा मोठा पार्टी' ने पहले ही चुनाव में 13 सीटें जीत कर भाजपा के हिस्से के आदिवासी वोट छीन लिए हैं, अलबत्ता त्रिपुरा का अंतिम जनादेश ज्यादा खूबसूरत होता।

13 मार्च की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1542 – इंग्लैंड की रानी कैथरीन हवाई को मौत के घाट उतार दिया गया।
1575 – फ्रांस के राजा हेनरी तृतीय का रेम्स में राज्याभिषेक।
1601 – लंदन में ईस्ट इंडिया कम्पनी की पहली यात्रा का नेतृत्व जान लैंकास्टर ने किया।
1633 – इटली के खगोलशास्त्री गैलीलियो को रोम पहुँचने पर गिरफ़्तार कर लिया गया। वैज्ञानिक गैलीलियो गैलीलि अपने मुकदमे के लिए रोम आए।
1688 – स्पेन ने पुर्तग़ाल को एक अलग राष्ट्र स्वीकार किया।
1689 – विलियम और मैरी इंग्लैंड के संयुक्त शासक घोषित हुए।
1693 – अमेरिका के वर्जीनिया में विलियम एंड मैरी कॉलेज खुला।
1713 – दिल्ली के सुल्तान जहाँदारशाह की हत्या गला घोंट कर की गई।
1739 – करनाल के युद्ध में नादिरशाह की फ़ौज ने मुग़ल शासक मुहम्मद शाह की सेना को हराया।
1788 – भारत में ज्यादतियों के लिए वारेन हेस्टिंग्स पर इंग्लैंड में मुकदमा चलाया गया।
1795 – अमेरिका में पहला स्टेट यूनिवर्सिटी उत्तरी कैरोलिना में खुला।
1820 – फ्रांसीसी तख्त के दावेदार डक की बेरी की हत्या कर दी गई।
1856 – ईस्ट इंडिया कम्पनी का लखनऊ सहित अवध पर भी कब्ज़ा।
1861 – नेपल्स के फ्रांसीसी द्वितीय ने ग्यूसेपी गैरिबाल्डी के आगे हथियार डाले।
1880 – थॉमस एडिसन ने एडिसन इफ़ैक्ट पुष्ट किया।
1920 – अमेरिका में बेसबॉल की नीग्रो नेशनल लीग स्थापित हुई।
1931 – नई दिल्ली भारत की राजधानी घोषित हुई।
1941 – जर्मनी में नाजियों ने डच यहूदी परिषद पर हमला किया।
1945 – सोवियत संघ ने जर्मनी के साथ 49 दिन तक चले युद्ध के बाद हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पर क़ब्ज़ा किया जिसमें एक लाख 59 हजार लोग मारे गये।
1959 – बच्चों की पसंदीदा बार्बी डॉल की बिक्री शुरू हुई।
1961 – द्वितीय विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों ने बुडापोस्ट पर कब्ज़ा किया। सुरक्षा परिषद ने कांगों में गृहयुद्ध रोकने के लिए बल प्रयोग की स्वीकृति दी।
1966 – सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया।
1974 – असंतुष्ट नोबेल विजेता अलेक्जेंडर सोलजेनिट्सिन को सोवियत संघ से निकाला गया।
1975 – तुर्की ने साइप्रस के उत्तरी भाग में अलग प्रशासन की स्थापना की।

औचित्य के भंवर में कालेज

सरकारी कालेज और डिग्री के बीच उपयोगिता के पैरामीटर किस कद्र छिन्न-भिन्न हो रहे हैं, इसका खुलासा कर रही हिमाचल सरकार के तर्क समझने होंगे। पिछली सरकार ने ताबड़तोड़ तरीके से भले ही 23 नए कालेज खोल दिए, लेकिन वहां न माकूल छात्र आए और न ही इन्हें खोल कर शिक्षा का औचित्य पूरा हो रहा है। इसी तरह की बंदरबांट ने पिछले कुछ दशकों से शिक्षा में करियर के अंधेरे ही नहीं बढ़ाए, बल्कि युवाओं के लिए भविष्य के भंवर भी पैदा कर दिए। आश्चर्य है कि 23 कालेजों में केवल तीन संस्थान ही मात्र 75 छात्रों के प्रवेश की शर्त को पूरा कर पाए, जबकि अन्य बीस अपना औचित्य हार कर केवल संसाधनों के दुरुपयोग की जीती जागती तस्वीर बन गए। गलोड में मात्र दस छात्र, पंडोह में 21, ममलीग में 5, बरांडा में 6, सतौन में सात, चढियार में 12, बागाचनौगी में 3 और जगत सुख में 4 छात्रों की एडमिशन साबित करती है कि बिना सर्वेक्षण के खोले गए शिक्षण संस्थान प्रदेश की शिक्षा और शिक्षा में गुणवत्ता का किस तरह मजाक उड़ा रहे थे। ऐसे कुल 23 कालेजों में से केवल तीन भी केवल औपचारिक सी छात्र संख्या को पूरा कर रहे हैं, तो बीस संस्थानों का डिनोटिफाई होना परम आवश्यक हो जाता है। यह शिक्षा के परिदृश्य में राजनीतिक क्रूरता ही नहीं, बल्कि आर्थिक संसाधनों की फिजूल खर्ची भी है।

शिक्षा का ताल्लुक संस्थानों की उत्पत्ति के बजाय, ऐसे कालेजों की तलाश में होना चाहिए जो बच्चों को जीवन की हर प्रतिस्पर्धा में अव्वल बना सकें। विडंबना यह है कि ऐसे संस्थानों की खेप उतार कर सरकारें केवल अपनी सियासी फितरत का परचम ऊंचा करती रही हैं, जबकि शिक्षा के मूल आधार पर अध्ययन व अध्यापन के लिए न उपयुक्त माहौल और न ही फैकल्टी तैयार हुई है। इनका बुरा परिणाम कुछ स्थापित महाविद्यालयों की नींव भी हिलाने लगा है। पूरे प्रदेश में ऐसे अनेक कालेज मिल जाएंगे, जहां स्नातकोत्तर स्तर की डिग्रियां बिना किसी कारण और बिना किसी तर्क के बंट रही हैं। आश्चर्य यह भी कि पिछली सरकार ने कालेजों से भी आगे निकल कर मेडिकल व मंडी विश्वविद्यालय के दो शिलालेखों को ऐसा टापू बना दिया, जिसके इर्द-गिर्द पूरी शिक्षा ही डूब रही है। कोशिश तो यह भी रही कि संस्कृत और डिजिटल विश्वविद्यालय खोल दिए जाएं। इससे पूर्व तकनीकी विश्वविद्यालय खोलकर राज्य में इंजीनियरिंग एमबीए व फार्मेसी जैसे विषयों की औकात को अप्रासंगिक बना दिया गया। इसी तरह निजी विश्वविद्यालयों ने अधिकतर शिक्षा के रेत महल बना दिए।

जिस प्रदेश से निकल कर हर साल हजारों बच्चे सही स्कूल की तलाश में पड़ोसी राज्यों पर निर्भर हो रहे हों या जहां की बच्चियां उत्कृष्ट शिक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों में अपनी मैरिट चमका रही हों, वहां नए संस्थान खोलने से पहले, पूर्व में स्थापित शिक्षा के मंदिरों में अध्ययन की परिपाटी को बुलंद करना होगा। बेशक नए शिक्षण संस्थानों के साथ राजनीतिक वादे या जनापेक्षाएं जुड़ जाती हैं, लेकिन यह भय प्रदेश की संरचना व वित्तीय संतुलन को हमेशा-हमेशा के लिए कब्र में दफन कर देगा। राज्य में कुछ ऐसे कालेजों का निरूपण होना चाहिए, जहां से निकल कर बच्चे भविष्य की काबिलीयत में प्रदेश की पहचान बनें। नए कालेजों के बजाय दस-बारह कालेजों को किसी न किसी विषय का राज्य स्तरीय दर्जा दें, तो शिक्षा के आयाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय फलक को छू सकते हैं।

बनने-बनाने में सोई सरकार

इधर लोग असमंजस में हैं कि सरकार बनने-बनाने के बीच कहाँ सो गई। उधर विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार बन गई है, लेकिन कहीं नजऱ नहीं आ रही। पर, सरकार का दावा है कि सरकार दिन ही नहीं, रात के अँधेरे में भी उल्लू की तरह देखने पर खुली आँखों से देखी जा सकती है। अगर यक़ीन न हो, तो उन लोगों से पूछ कर देख लो जो पूर्व सरकार की अधिसूचनाओं को निरस्त किए जाने के बाद घर बैठ कर ऐडियाँ सहला रहे हैं। अगर फिर भी कोई शक-शुबहा बाक़ी रहे तो प्रदेश में चलते उन जन आन्दोलनों को देख लें जिसमें पूर्व सरकार द्वारा गठित नए उपमंडलों, तहसीलों, विकास खंडों या कार्यालयों को अमान्य घोषित कर दिया गया है। विपक्ष का दावा है कि नई सरकार का ट्रेलर, जिसमें बारह पहिए होने चाहिए थे, केवल दो पहियों पर रगड़-घिसट कर चल रहा है।

सरकार कहती है कि विपक्ष कुछ कहने से पहले अपने गिरेबान में झाँक कर देख ले। उसके ट्रेलर में भले बारह पहिए थे, पर सभी अलग-अलग दिशाओं में घूम रहे थे। लोगों को कौन समझाए कि सरकार का काम तो घूमना ही है, चाहे आगे घूमे या पीछे। दाएं घूमे या बाएं। अगर ऐसा न होता तो देश आगे कैसे बढ़ता, तरक्की कैसे करता। फिर चुनावी मेनिफेस्टो में न तो सत्ताधारी दल कहीं कहता है कि सरकार आगे चलेगी या पीछे, दाएं चलेगी या बाएं और न विपक्ष। इसमें तो केवल सब्ज़बाग़ दिखाए जाते हैं। उन्हें न तो जन पढ़ता है, न गण और न मन। ऐसे में उसमें किए गए अनर्गल प्रलाप को पढऩे की ज़हमत वह नई गठित सरकार क्यों उठाए, जिसे ढोने के लिए लोगों ने पाँच साल के लिए अपने कँधे उधार दिए हों। सरकारें तो नारों पर ही चलती हैं, मसलन 'अच्छे दिन आने वाले है', 'सबका साथ, सबका विकास', 'गऱीबी हटाओ, देश बचाओ', 'शिक्षा की उड़ान', 'शिक्षा पर सबका अधिकार', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'ष्शिक्षा से बनेगा देश महान', 'बेटी पढ़ाओ देश बचाओ' वग़ैरह-वगऱैह। इतिहास का पता नहीं पर समय गवाह है कि देश में अच्छे दिन आ चुके हैं, गऱीबी हटने से देश सुरक्षित है, सबके साथ सबका विकास हो रहा है, शिक्षा पर सबके अधिकार से देश ऊँची उड़ान पर है, लोग पक्के मकानों में रह रहे हैं और ब्रैंडेड कपड़े पहन कर अमूल मक्खन के साथ रोटियाँ खा रहे हैं, बेटियाँ पूरी तरह सुरक्षित हैं और आप चाहें तो रात को बाहर पत्नी, बहिन या बेटी के साथ अँधेरी गलियों में बेख़ौफ घूम सकते हैं। अगर कुछ ऊँच-नीच हो जाए तो गाँधारी बनी न्याय की देवी एकतरफा झुके तराजू के साथ आपकी सेवा में हाजिऱ है।

लेकिन लोगों के हर बार बनने से लगता है कि उन्हें सियासी अय्यारी को भाँपने का हुनर नहीं आता, जबकि बुज़ुर्ग कहते हैं कि घर में नई-नवेली दुल्हन के पहला क़दम रखते ही उसके स्वभाव, बर्ताव और निभाई का पता चल जाता है। दरअसल लोगों को भले बनाना न आता हो, बनना अवश्य आता है और हर बार बनने के बाद जब तक जागते हैं तो देर हो जाती है। ग़लती सुधारने के लिए अगली बार वोट डालने और नई सरकार चुनने के बाद, उन्हें फिर पता लगता है कि दोबारा बन गए। पर जो मज़ा बनने में है, वह बनाने में नहीं। इसीलिए लोग हर बार बनना ही पसन्द करते हैं। हाल-फ़िलहाल में ही देख लो। राजधानी में सत्ताई गलियारे सूनी पड़े हैं। मानो अघोषित धारा 144 लागू हो। लोग अभी तक समझ नहीं पा रहे कि चुनावी आचार संहिता उठा ली गई है या लागू है। बेचारे नियमित होने वाले अनुबंधित सरकारी कर्मी अवधि पूरी होने के बावजूद महीनों से इन्तज़ार में है कि नए मंत्री कुरसी पर विराजें तो नियुक्ति-पत्र मिले। लेकिन शायद उनसे ज़्यादा बुरी हालत चुनाव जीते उन विधायकों की है जो सरकार बनने के बाद बेरोजग़ार घूम रहे हैं और कुछ पाने की चाहत में सरकार पर होने वाले विपक्षी हमलों को अपनी नंगी छाती पर झेल रहे हैं।

पी. ए. सिद्धार्थ

लेखक ऋषिकेश से हैं

भारत और चीन को साथ लेकर नया गठबंधन क्यों बनाना चाहता है रूस?

उमेश चतुर्वेदी

सर्गेई लावरोव ने जब यह बात कही, उसके ठीक एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और भारत के रिश्तों को लेकर जो कहा था, उस पर विवाद हो गया था। जयशंकर ने कहा था कि भारत के चीन से रिश्ते असामान्य हैं।

यूक्रेन के साथ युद्ध में जूझ रहे रूस पर पूरी दुनिया का दबाव है कि वह यूक्रेन से लड़ाई बंद करे। लेकिन रूस चाहता है कि एशिया की तीन महाशक्तियों- चीन और भारत के साथ रूस की दोस्ती बने और दुनिया के सामने एक नया गठबंधन बनकर उभरे। हाल ही में खत्म हुए जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में रूस के इस रुख का खुलासा हुआ। इसी बैठक में भारत के पारंपरिक सहयोगी और मित्र देश रूस ने सुझाव दिया कि भारत और चीन के बीच दोस्ती बढ़नी चाहिए। दिल्ली में हुए जी-20 विदेश मंत्रियों के सम्मेलन और उसके बाद रायसीना डायलॉग में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ऐसा कह कर अमेरिका को चौंका दिया। सर्गेई लावरोव को जब सम्मेलन में बोलने का मौका मिला, तो उन्होंने कहा कि रूस चाहता है कि चीन और भारत दोस्त बनें। सर्गेई ने कहा कि रूस का दोनों देशों से बेहतर रिश्ता है। लेकिन अब रूस चाहता है कि एशिया के दोनों पड़ोसी देश मित्र बनें।

सर्गेई लावरोव ने जब यह बात कही, उसके ठीक एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और भारत के रिश्तों को लेकर जो कहा था, उस पर विवाद हो गया था। जयशंकर ने कहा था कि भारत के चीन से रिश्ते असामान्य हैं। जयशंकर ने यह बात चीन के विदेश मंत्री किन कांग के साथ हुई बैठक में कही थी। इस संदर्भ में रूसी विदेश मंत्री का सुझाव बेहद अहम हो जाता है। सर्गेई ने रायसीना डायलॉग में चीन-भारत और चीन-रूस संबंधों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में दोनों देशों को दोस्ती करने की सलाह दे डाली। सर्गेई ने कहा कि इस मित्रता में रूस की मौजूदगी भारत और चीन के लिए बेहतर हो सकती है। सर्गेई ने दोनों देशों के बीच दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए खुद का हाथ भी बढ़ाने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि रूस चीन और भारत को करीब लाने का हमेशा से पक्षधर रहा है।

यह सच है कि यूक्रेन संकट के बाद भारत ने रूस से सबसे ज्यादा कच्चा तेल खरीदा है। इसे लेकर शुरू में अमेरिका ने नाक भौं सिकोड़ा था। लेकिन बाद में अमेरिका ने तर्क दिया कि भारत ने अपने ढंग से अपनी अर्थव्यवस्था को देखते हुए कदम उठाया है। याद कीजिए, साल 1999। तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने जब परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका समेत उसकी अगुआई वाली पश्चिमी दुनिया ने भारत पर कई प्रतिबंध लगाये थे। लेकिन अब भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और अब भारत को नकार पाना आसान नहीं है। इसीलिए भारत के रूस से सहयोगी संबंध को अमेरिका समेत दूसरे देश भी नकार नहीं पा रहे हैं। भारत ने इस दिशा में अपनी तरह से कोशिश भी की। उसने यूक्रेन पर रूस के रुख का समर्थन भी नहीं किया। चूंकि रूस भारत का पारंपरिक सहयोगी है, उसने अतीत में भारत को सैनिक साजोसामान से भी मदद की है। इस लिहाज से माना जा रहा था कि भारत कभी उसके खिलाफ कदम भी नहीं उठाएगा। लेकिन भारत ने इस मिथक को तोड़ा और रूस के रुख का समर्थन नहीं किया। अलबत्ता संयुक्त राष्ट्र संघ में जब भी रूस के खिलाफ अमेरिकी अगुआई में अभियान भी चला, उस वक्त भारत ने उस अभियान का भी समर्थन नहीं किया। युद्धग्रस्त रूस से कच्चे तेल की खरीददारी करके भारत भी एक तरह से रूस की मदद कर रहा है। वहीं भारत रणनीतिक तौर पर अपने लिए सस्ता तेल भी खरीदने में कामयाब रहा है। लेकिन अब रूस को लगने लगा है कि बदली हुई वैश्विक परिस्थिति में भारत और चीन को साथ आना चाहिए। वैसे अमेरिका जिस तरह चीन पर हमलावर है, वैसी स्थिति में चीन को भी ऐसा ही रुख अख्तियार करना पड़ सकता है। लेकिन भारत से रिश्ते सुधारने की दिशा में सबसे बड़ी बाधा उसका साम्राज्यवादी रुख है। सीमाओं पर अगर वह संयत और सौहार्द का रुख रखे तो हालात बदल सकते हैं। लेकिन चीन ऐसा नहीं करता। इसलिए सर्गेई को इस विषय में भी अपनी राय रखनी चाहिए। हालांकि उन्होंने ऐसा नहीं किया और सिर्फ दोस्ती की ही बात करके इतिश्री समझ ली।

सर्गेई लावरोव ने रूस और यूक्रेन युद्ध पर भी अपने विचार रखे। इस संदर्भ में पश्चिमी देशों के रुख की आलोचना करते हुए सर्गेई ने कहा कि सब चाहते हैं कि रूस ही बातचीत की पहल करे। लेकिन कोई यूक्रेन के रुख पर ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन से बातचीत देशद्रोह होगा। रूस के इस रुख से साफ है कि वह अमेरिका की अगुआई वाले पश्चिमी देशों के सामने झुकने नहीं जा रहा है। सर्गेई ने यह भी कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कोई नहीं पूछ रहा कि वे कब बातचीत करने जा रहे हैं। दरअसल पिछले साल जेलेंस्की ने एक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किया था, जिसमें कहा गया है कि जब तक रूस में व्लादिमीर पुतिन राष्ट्रपति के पद पर रहेंगे, तब तक रूस से बातचीत अपराध होगा। इस सम्मेलन में उन्होंने पश्चिमी देशों की बजाय भारत पर ही भरोसा करने की बात कही।

सर्गेई के बयान के बाद साफ है कि रूस एशिया की तीन बड़ी शक्तियों- भारत, चीन और खुद के साथ नयी साझेदारी विकसित करना चाहता है। इसमें वह पहल करने को भी तैयार है। इसका भविष्य क्या होगा, अभी कहना जल्दबाजी होगी। इसकी वजह है कि चीन का रुख अभी साफ नहीं है। वह भारत से अच्छे रिश्ते भी रखना चाहता है और सीमा पर तनाव की वजह भी बनता है।

इनसाइड

भारत ने आईएमएफ-एफएसबी से क्रिप्टो के नियमन पर टेक्नीकल पेपर तैयार करने को कहा, IMF एमडी ने कही ये बात

आईएमएफ क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि हमें केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्राओं जो राज्य और स्थिर मुद्राओं से समर्थित हैं और क्रिप्टो परिसंपत्तियां जो निजी तौर पर जारी की जाती हैं उनमें फर्क करना होगा। जॉर्जीवा ने कहा, 'हमने हाल ही में एक सत्र में चर्चा कर विभिन्न के देशों के हित में मतभेदों को पाटने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

नई दिल्ली। वर्तमान में जी 20 की अध्यक्षता कर रहे भारत ने आईएमएफ और वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) को संयुक्त रूप से क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर एक तकनीकी पत्र तैयार करने के लिए कहा है। इसका उपयोग क्रिप्टो परिसंपत्तियों को विनियमित करने के लिए एक समन्वित और व्यापक नीति तैयार करने में किया जा सकता है।

वित्त मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय संगठन अक्टूबर 2023 में वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की चौथी बैठक के दौरान अपना संयुक्त पत्र पेश कर सकते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार एक नीतिगत ढांचे की आवश्यकता पर चल रही बातचीत के पूरक के लिए भारतीय प्रेसीडेंसी ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और एफएसबी की ओर से एक संयुक्त तकनीकी पत्र का प्रस्ताव दिया है। यह क्रिप्टो-परिसंपत्तियों के व्यापक आर्थिक और नियामकीय दृष्टिकोण पर आधारित होगा। इससे क्रिप्टो परिसंपत्तियों के नियमन में मदद मिलेगी।

क्रिप्टो यूनिवर्स के तेजी से विकास के बावजूद, क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए कोई व्यापक वैश्विक नीति ढांचा नहीं है। क्रिप्टो परिसंपत्तियों और पारंपरिक वित्तीय क्षेत्र के बीच अधिक अंतर्संबंध के साथ-साथ क्रिप्टो परिसंपत्तियों के आसपास जटिलता और अस्थिरता पर चिंताओं को देखते हुए नीति निर्माता सख्त नियमों के पक्षधर रहे हैं।

वित्त मंत्रालय (Finance Ministry) के बयान में कहा गया है कि फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ), फाइनेंसियल स्टेबिलिटी बोर्ड (एफएसबी), कमिटी ऑन पेमेंट्स एंड मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर्स (सीपीएमआई), अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (आईओएससीओ) और बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (बीसीबीएस) जैसे वैश्विक मानक निर्धारित करने वाले निकाय अपने संबंधित संस्थागत जनादेश के भीतर काम करते हुए क्रिप्टो से संबंधित नियामक एजेंडे पर समन्वय बना रहे हैं।

भारत वित्तीय अखंडता की चिंताओं से परे क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर जी 20 चर्चा को व्यापक बनाने और अर्थव्यवस्था में व्यापक रूप से क्रिप्टो अपनाने के व्यापक प्रभावों पर नियंत्रण की उम्मीद करता है। इसमें कहा गया है इसके लिए क्रिप्टो परिसंपत्तियों की वैश्विक चुनौतियों और अवसरों के लिए डेटा-आधारित और सूचित दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी

नीति निर्माताओं को क्रिप्टो परिसंपत्तियों के व्यापक व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता निहितार्थों के बारे में सूचित करने के लिए भारतीय प्रेसीडेंसी ने आईएमएफ से 23 फरवरी 2023 को बेंगलुरु में आयोजित दूसरी जी 20 वित्त और केंद्रीय बैंक डिप्टी बैठक के लिए इस विषय पर एक चर्चा पत्र तैयार करने का अनुरोध किया।

बयान में कहा गया है, ₹उक्त बैठक के दौरान,क्रिप्टो परिसंपत्तियों के आसपास संवाद को व्यापक बनाने के लिए प्रेसीडेंसी के प्रयासों के हिस्से के रूप में क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर नीति सहमति के लिए बहस₹ शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

आईएमएफ के वक्ता, टॉमासो मैनसिनी-ग्रिफोली ने घटना के दौरान चर्चा पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें किसी देश की अर्थव्यवस्था की आंतरिक और बाहरी स्थिरता के साथ-साथ इसकी वित्तीय प्रणाली की संरचना पर क्रिप्टो अपनाने के परिणामों पर प्रकाश डाला गया। मैनसिनी-ग्रिफोली ने रेखांकित किया कि क्रिप्टो परिसंपत्तियों के कथित लाभों में सस्ता और तेजी से सीमा पार भुगतान, अधिक एकीकृत वित्तीय बाजार और वित्तीय समावेशन में वृद्धि शामिल है, लेकिन इन्हें अभी तक महसूस नहीं किया गया है।

तालाबंदी का देसी स्टार्टअप्स पर असर जानने के लिए केंद्रीय मंत्री करेंगे बैठक, किया ये एलान

एनटीवी न्यूज

नियामकों ने टेक ऋणदाता को बंद कर दिया और इसे यूएस फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) के नियंत्रण में डाल दिया। एफडीआईसी एक रिसीवर के रूप में कार्य कर रहा है, जिसका आमतौर पर मतलब है कि यह जमाकर्ताओं और लेनदारों सहित अपने ग्राहकों को वापस भुगतान करने के लिए बैंक की संपत्ति का निपटारा कर देगा।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वह एसवीबी फाइनेंशियल के पतन के प्रभाव को समझने के लिए इस सप्ताह भारतीय स्टार्टअप्स के प्रतिनिधियों से मिलेंगे। वे यह समझने की कोशिश करेंगे कि संकट के दौरान सरकार कैसे मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि एसवीबी फाइनेंशियल के बंद होने से निश्चित रूप से दुनिया भर के स्टार्टअप बाधित हो रहे हैं। केंद्रीय उद्यमिता, कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने एक ट्वीट में कहा, स्टार्टअप न्यू इंडिया की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बता दें कि स्टार्टअप्स फंडिंग के लिए मशहूर सिलिकॉन वैली बैंक बीते शुक्रवार को तालाबंदी के कगार पर पहुंच गया। जिससे अमेरिकी संघीय सरकार को कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। नियामकों ने टेक ऋणदाता को बंद कर दिया और इसे यूएस फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) के नियंत्रण में डाल दिया। एफडीआईसी एक रिसीवर के रूप में कार्य कर रहा है, जिसका आमतौर पर मतलब है कि यह जमाकर्ताओं और लेनदारों सहित अपने ग्राहकों को वापस भुगतान करने के लिए बैंक की संपत्ति का निपटारा कर देगा। एफडीआईसी के बयान में कहा गया है कि सभी बीमित जमाकर्ताओं की सोमवार सुबह 13 मार्च 2023 तक अपनी बीमाकृत जमा राशि तक पूरी पहुंच होगी। एनवाईटी की रिपोर्ट के अनुसार एवीबी की विफलता अमेरिकी इतिहास में 2008 के वित्तीय संकट के बाद से सबसे बड़ी दूसरी सबसे बड़ी विफलता है।

क्या होती है 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ'? रघुराम राजन ने क्यों कहा भारत इसके खतरनाक स्तर के करीब?

एनटीवी न्यूज

रघुराम राजन ने कहा, अनुक्रमिक मंदी चिंता का विषय है। निजी क्षेत्र निवेश करने को तैयार नहीं है, आरबीआई अभी भी दरों में वृद्धि कर रहा है और वैश्विक विकास इस वर्ष में धीमा होने की संभावना है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ को लेकर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है, निजी क्षेत्र के कमजोर निवेश, उच्च ब्याज दर और धीमे वैश्विक विकास दर के कारण भारत हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ से खतरनाक रूप से बेहद करीब है।

उन्होंने कहा, पिछले महीने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के ताजा अनुमान से पता चलता है कि तिमाही वृद्धि में सिलसिलेवार मंदी आर्थिक विकास के लिए काफी चिंताजनक है। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) दूसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत और पहली तिमाही में 13.2 प्रतिशत से घटकर 4.4 प्रतिशत पहुंच गई है। जबकि, पिछले वित्तीय वर्ष वर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर 5.2 फीसदी थी।

अनुक्रमिक मंदी चिंता का विषय

रघुराम राजन ने कहा, अनुक्रमिक मंदी चिंता का विषय है। निजी क्षेत्र निवेश करने को तैयार नहीं है, आरबीआई अभी भी दरों में वृद्धि कर रहा है और वैश्विक विकास इस वर्ष में धीमा होने की संभावना है। उन्होंने कहा, यह पता नहीं है कि इन सबमें हम अतिरिक्त विकासदर कहां पाएंगे। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सवाल यह है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारतीय विकास दर क्या होगी। उन्होंने कहा, अगर हम पांच प्रतिशत वृद्धि हासिल करते हैं, तो हम भाग्यशाली होंगे।

क्या है 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ'?

1947 में देश जब आजाद हुआ तो देश आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा था। देश में व्यापक स्तर पर गरीबी थी और संसाधनों का अभाव था। ऐसे में 1951 से 1980, लगभग तीन दशकों तक देश की विकास दर काफी धीमी रही। देश में औसतन विकासदर करीब चार प्रतिशत के करीब थी। ऐसे में उस समय के जाने-माने अर्थशास्त्री राज कृष्ण ने 1978 में धीमी विकास दर को 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' नाम दिया।

जलयुक्त शिवार: जल्द शुरू होगा इस परियोजना का दूसरा चरण, फडणवीस ने पिछली MVA सरकार पर लगाए आरोप

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, हम सभी जानते हैं कि महाराष्ट्र के 50 फीसदी हिस्से में बारिश होती है। हमारे पास जल संरक्षण के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। हम 'जलयुक्त शिवार' का दूसरा चरण जल्द ही शुरू करेंगे।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना जल संरक्षण परियोजना 'जलयुक्त शिवार' का दूसरा चरण जल्द ही शुरू होगा। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को यह बात कही।

इस परियोजना के तहत क्या किया जाना है?

'जलयुक्त शिवार अभियान' 2014 में शुरू किया गया था, जब फडणवीस मुख्यमंत्री थे। इसके तहत नदियों को गहरा और चौड़ा किया जाना था। सीमेंट और मिट्टी के स्टॉम डैम का निर्माण किया जाना था और नालों को बहाल किया जाना था और खेती के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए खेत तालाबों की खुदाई की जानी थी।

'घटिया काम और पक्षपात' के आरोपों में फंस गई थी परियोजना

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, इस परियोजना का उद्देश्य प्रति वर्ष पांच हजार गांवों में पानी की कमी की समस्या को दूर करना और राज्य को सूखा मुक्त बनाना था। हालांकि, 2019 के अंत में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के सत्ता संभालने के बाद यह परियोजना 'घटिया काम और पक्षपात' के आरोपों में फंस गई। अक्तूबर 2020 में एमवीए सरकार द्वारा एक जांच शुरू की गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया था।

महाराष्ट्र में होती है पचास फीसदी बारिश, जल संरक्षण ही विकल्प

उन्होंने कहा, ₹हम सभी जानते हैं कि महाराष्ट्र के 50 फीसदी हिस्से में बारिश होती है। हमारे पास जल संरक्षण के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। हम 'जलयुक्त शिवार' का दूसरा चरण जल्द ही शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम इस परियोजना से 20,000 गांवों में पानी बचाने में कामयाब रहे थे। करीब 37 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचाई के दायरे में आई, जिससे किसानों को एक साल में दो फसलों की खेती करने में मदद मिली।₹

अल नीनो के प्रभाव की भविष्यवाणी कर रहे मौसम विशेषज्ञ

फडणवीस ने कहा कि यह परियोजना इस साल महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ मौसम विशेषज्ञ अल नीनो प्रभाव की भविष्यवाणी कर रहे हैं, इसके लिए बड़े पैमाने पर जल संरक्षण की आवश्यकता हो सकती है। अल नीनो प्रभाव भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ क्षेत्रों में सूखा ला सकता है, जबकि यह दुनिया के अन्य हिस्सों में बाढ़ ला सकता है।

पीएम से मिले जर्मन कंपनियों के सीईओ, बोले- मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों की पूरी दुनिया को जरूरत

हापाग लॉयड के सीईओ रोल्फ हेबन बोले-दुनिया को मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रम चाहिए, और इससे हुए उत्पादन को निर्यात करने वाले भी। बुनियादी ढांचे में अच्छा विकास इसमें मदद करेगा। हम जानते हैं कि अगले 20 साल में भारत बहुत आगे बढ़ने वाला है।

जर्मन कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के एक समूह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह सभी विभिन्न उत्पादन क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख जर्मन कंपनियों से थे। पीएम मोदी के मेक इन इंडिया विजन को उन्होंने पूरे विश्व की जरूरत बताया। साथ ही भारत में निवेश, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और कारोबार के नये अवसरों पर भी चर्चा की।

20 साल में भारत बहुत आगे होगा

हापाग लॉयड के सीईओ रोल्फ हेबन बोले-दुनिया को मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रम चाहिए, और इससे हुए उत्पादन को निर्यात करने वाले भी। बुनियादी ढांचे में अच्छा विकास इसमें मदद करेगा। हम जानते हैं कि अगले 20 साल में भारत बहुत आगे बढ़ने वाला है।

भारत में वास्तविक संभावनाएं दिख रहीं

डॉयचे पोस्ट डीएचएल समूह के सीईओ डॉ. टोबियस मेयर ने कहा, भारत में बुनियादी ढांचे के विकास-बीज डाले जा रहे हैं, उनकी फसल जल्द तैयार होगा। हम यहां वास्तविक संभावनाएं और चीजें आगे बढ़ती देख रहे हैं।

भारत में टिकाऊ काम

एसएसपी के सीईओ क्रिश्चियन क्लीन बोले- भारत में हम हजारों स्टार्ट-अप के साथ काम कर रहे हैं। यहां टिकाऊ तरीके से काम करने की ऊंची संभावनाएं हैं। हम यहां अपना निवेश दोगुना करने जा रहे हैं। स्थानीय संस्कृति अपनानी होगी

रेथमन कंपनी के सीईओ क्लेमेंस रेथमन ने कहा-भारत आकर आपको यहां की संस्कृति को स्वीकार करना होता है। इस महान और सुंदर देश में आकर आप ऐसा नहीं कह सकते कि हम जैसा चाहते हैं, उन्हें वैसा व्यवहार करना होगा।

इस तरह की बैठक सराहनीय

रक्षा उत्पाद कंपनी की सीईओ सुसन वीगेंड ने कहा-यहां आना और पीएम मोदी के साथ बैठक में शामिल होना सम्मान की बात है, ऐसी बैठक सराहनीय हैं। हम भारत सरकार के विश्वसनीय सहयोगी हैं, नौसेना सहित सशस्त्र बलों को आपत्ति भी कर रहे हैं।

अमेरिकन बैंक के बंद होने से एक लाख लोगों के रोजगार पर संकट, 10 हजार स्टार्टअप्स भी मुसीबत में

गैरी टैन ने चिट्ठी के जरिए कर्मचारियों की नौकरी और स्टार्टअप्स को इस संकट के समय बचाने के लिए सरकार से गुहार लगाई है। गैरी टैन की इस चिट्ठी को अब तक 1200 से ज्यादा कंपनियों के सीईओ और 56 हजार से ज्यादा कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थापकों का समर्थन भी मिल चुका है।

नई दिल्ली। टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स में निवेश करने वाले अमेरिकन कंपनी वाई कॉम्बिनेटर के मुखिया गैरी टैन ने सिलिकॉन वैली बैंक (SVB) के दिवालिया होने पर बड़ा दावा किया है। उन्होंने अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन और अन्य प्रशासकों को एक चिट्ठी लिखकर अनुमान लगाया है कि बैंक के दिवालिया होने के चलते करीब एक लाख लोगों के रोजगार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। मतलब एक लाख लोगों की नौकरी कभी भी जा सकती है। इसके अलावा दस हजार से ज्यादा स्टार्टअप्स पर इसका बड़ा असर पड़ेगा। बता दें कि वाई कॉम्बिनेटर ने भारत के करीब 200 से ज्यादा स्टार्टटप्स में निवेश किया है।

लोगों की नौकरी और स्टार्टटप्स बचाने के लिए गुहार

गैरी टैन ने चिट्ठी के जरिए कर्मचारियों की नौकरी और स्टार्टअप्स को इस संकट के समय बचाने के लिए सरकार से गुहार लगाई है। गैरी टैन की इस चिट्ठी को अब तक 1200 से ज्यादा कंपनियों के सीईओ और 56 हजार से ज्यादा कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थापकों का समर्थन भी मिल चुका है। इस चिट्ठी में लिखा गया है, 'हम छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स और बैंक में जमाकर्ताओं के कर्मचारियों पर तत्काल महत्वपूर्ण प्रभाव पर राहत और ध्यान देने के लिए कहते हैं।'

37 हजार से ज्यादा छोटे व्यवसायों के बैंक खाते में

नेशनल वेंचर कैपिटल एसोसिएशन (NVCA) के आंकड़ों के अनुसार, सिलिकॉन वैली बैंक में 37,000 से अधिक छोटे व्यवसायियों के खाते हैं। जिनमें 250,000 डॉलर से अधिक रकम जमा है। बैंक के दिवालिया होने के बाद ये शेष राशि अब उनके लिए उपलब्ध नहीं है। इसके चलते कंपनियों और छोटे व्यवसायिकों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा।

गैरी के अनुसार, ज्यादातर स्टार्टअप कंपनियां सिलिकॉन वैली बैंक में ही अपना खाता रखते थे। अब चूंकि बैंकों में जमा राशि नहीं मिल पाएगी। ऐसे में अगले 30 दिनों में पेरोल चलाने के लिए स्टार्टअप्स के पास कैश नहीं होगा। कर्मचारियों सैलरी देने का भी संकट उभरकर सामने आ गया है। 10 हजार से ज्यादा स्टार्टअप्स पर इसका सीधा असर पड़ेगा। इसलिए अगर एक छोटा स्टार्टअप्स 10 लोगों को भी

रोजगार देता है तो 10 हजार के हिसाब से सीधे-सीधे एक लाख लोगों के रोजगार पर संकट है। कंपनियां बंद हो जाएंगी और लोगों की नौकरी चली जाएगी।

जानिए क्या है पूरा मामला?

अमेरिकी नियामकों ने शुक्रवार को SVB को बंद करने की घोषणा कर दी। कैलफोर्निया में बैंकिंग नियामकों ने बैंको बंद करने के बाद फेडरल डिपॉजिट इन्श्योरेंश कॉरपोरेशन (FDIC) को बैंक के असेट रिसिवर के तौर पर नियुक्त किया है। इस खबर को पूरी दुनिया के बाजार में ग्लोबल मंदी की आहट के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल, सेंटा क्लारा स्थित एसवीबी की परेशानी तब शुरू हुई जब उसकी मूल कंपनी एसवीबी फाइनेंशियल ग्रुप ने अपने पोर्टफोलियो से 21 अरब डॉलर की प्रतिभूतियों को बेचने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि उसकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए 2.25 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की जा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि स्टार्टअप उद्योग में व्यापक मंदी के कारण बैंक में उच्च जमा निकासी की स्थिति बनी जिसके परिणामस्वरूप यह कदम उठाया गया। फेड की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद एसवीबी ने ब्याज से होने वाली आमदनी में बड़ी गिरावट की आशंका जताई थी। दूसरी ओर फेड की ओर से ब्याज दरें बढ़ने से भी एसवीबी बैंक का गणित गड़बड़ हो गया। आखिरकार SVB के बंद होने का सबसे बड़ा कारण उसके निवेशकों की ओर से एक साथ ही बैंक से पैसा निकालना रहा। माना जा रहा है कि निवेशकों ने बैंक के डूबने के डर से एक साथ ही बड़ी बिकवाली कर दी थी।

SVB के पास 2021 में 189 अरब डॉलर का डिपॉजिट था। बैंक ने इस पैसे से पिछले 2 वर्षों के दौरान अरबों डॉलर के बॉन्ड खरीदे थे लेकिन इस निवेश पर उसे कम ब्याज दरों के कारण पर्याप्त रिटर्न नहीं मिला। इसी बीच फेडरल रिजर्व बैंक ने टेक कंपनियों के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी। इससे बैंक का संकट और बढ़ गया। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) एक हफ्ते पहले दो अरब डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाने में असफल रहा था। उसके बाद वह 2008 के वित्तीय संकट के बाद धराशाई होने वाला अमेरिका का सबसे बड़ा बैंक बन गया। संकट के बीच कंपनी के प्रमुख ग्रेग बेकर ने शुक्रवार को कर्मचारियों को एक वीडियो संदेश में ₹अविश्वसनीय रूप से कठिन₹ बीते 48 घंटों के बारे में बात की और कर्मचारियों को कंपनी के वर्तमान हालात के बारे में बताया। सिलिकॉन वैली बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेकर तीन दशक पहले कंपनी में ऋण अधिकारी के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने 2008 के वित्तीय संकट के बाद बैंक को चलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें 2011 में एसवीबी फाइनेंशियल ग्रुप के अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया गया।

हर चुनाव के बाद आयोग को अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ता है, बोले सीईसी

सीईसी शनिवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उनसे सवाल किया गया कि क्या कर्नाटक के लोग राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकते हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में चुनाव संपन्न होने के साथ ही चुनाव आयोग ने 400वीं राज्य विधानसभा का चुनाव पूरा कर लिया है।

नई दिल्ली। भारत ने 70 साल में अपने सामाजिक, राजनीतिक और भाषाई मुद्दों को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से स्थिर किया है। लोग चुनाव परिणामों पर भरोसा करते हैं लेकिन फिर भी चुनाव आयोग को हर चुनाव के बाद 'अग्निपरीक्षा' से गुजरना पड़ता है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने ये बातें कही हैं।

सीईसी शनिवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उनसे सवाल किया गया कि क्या कर्नाटक के लोग राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकते हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में चुनाव संपन्न होने के साथ ही चुनाव आयोग ने 400वीं राज्य विधानसभा का चुनाव पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि 17 लोकसभा चुनाव और 16 राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव हुए हैं।

उन्होंने कहा, "परिणाम एक के बाद एक चुनाव स्वीकार किए जाते हैं और हर बार मतदान से सत्ता हस्तांतरण सुचारू रूप से होता है। यह हाल ही में कई विकसित देशों में जो कुछ भी हो रहा है, उसके समकक्ष है।

उन्होंने कहा, 'पिछले 70 वर्षों में भारत ने अपने सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, भौगोलिक, आर्थिक, भाषाई मुद्दों को शांतिपूर्वक और बातचीत के माध्यम से मुख्य रूप से स्थापित लोकतंत्र के कारण स्थिर किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा केवल इसलिए संभव है क्योंकि लोग चुनाव परिणामों पर भरोसा करते हैं। फिर भी, चुनाव आयोग हर बार हर चुनाव के बाद अग्निपरिक्षा देता है। एक अन्य सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि फर्जी विमर्श और प्रलोभन एक बड़ी चुनौती पेश करते हैं।

बता दें कि चुनाव आयोग कर्नाटक में चुनाव तैयारियों का आकल कर रहा है। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है और इससे पहले चुनाव कराकर नई विधानसभा का गठन किया जाना है।

उपराष्ट्रपति के आवास पर सर्वदलीय बैठक, इन मुद्दों पर सरकार को घेरने की योजना बना रहा विपक्ष

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 2023-24 के वार्षिक बजट सत्र के दूसरे चरण से पहले अपने दिल्ली आवास में सर्वदलीय बैठक की। बजट सत्र का दूसरा चरण कल से शुरू होगा। इसको लेकर सरकार ने जोर देकर कहा कि उसकी प्राथमिकता वित्त विधेयक को पारित कराना है। वहीं, विपक्ष भाजपा के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई और अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों जैसे मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है।

हिंडनबर्ग-अदाणी मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगना जारी रखेगा विपक्ष

बजट सत्र के पहले चरण में हिंडनबर्ग-अदाणी मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ था। इस मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों की दोनों सदनों में क्या रणनीति होगी, इसको लेकर उनकी सोमवार सुबह बैठक होगी। कांग्रेस नेता के. सुरेश ने कहा कि उनकी पार्टी हिंडनबर्ग-अदाणी मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगना जारी रखेगी, क्योंकि वह चुप्पी साधे हुए है। मुख्य विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने पर जोर दे रहा है।

केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी का मुद्दा उठा सकते हैं विपक्षी दल

विपक्षी दल सीबीआई और ईडी द्वारा विपक्षी नेताओं के खिलाफ हाल ही में की गई छापेमारी का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा सकते हैं, जिनमें से कुछ से पूछताछ की गई और यहां तक कि विभिन्न मामलों में गिरफ्तार भी किया गया। उन्होंने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

'वित्तीय विधेयक को पारित कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता'

संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वित्तीय विधेयक को पारित कराना है। उन्होंने कहा कि रेलवे, पंचायती राज, पर्यटन, संस्कृति और स्वास्थ्य सहित मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर चर्चा की जाएगी। स्पीकर ओम बिरला बाद में गिलोटिन लागू करेंगे, जिसके बाद अनुदान की सभी बकाया मांगों, चाहे उन पर चर्चा हो या न हो, को मतदान के लिए रखा जाएगा और पारित किया जाएगा।

एक महीने के अवकाश के बाद हो रही संसद की बैठक

उन्होंने कहा, ₹इसके बाद हम वित्त विधेयक पारित कराएंगे। उसके बाद हम विपक्ष की मांगों पर गौर करेंगे... सरकार की पहली जिम्मेदारी वित्त विधेयक को पारित कराना है। इसके बाद हम विपक्ष की मांगों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।₹ सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ था और इसके छह अप्रैल तक चलने की संभावना है। संसद की बैठक एक महीने के अवकाश के बाद हो रही है, जिसके तहत विभिन्न संसदीय समितियों को विभिन्न मंत्रालयों के लिए केंद्रीय बजट में किए गए आवंटनों की जांच करने की अनुमति दी गई है।

2023-24 के लिए जम्मू-कश्मीर के लिए भी बजट पेश करेंगी केंद्रीय वित्तमंत्री

सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2022-23 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों- दूसरी खेप को पेश करेंगी। वह लोकसभा में वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए भी बजट पेश करेंगी। केंद्र शासित प्रदेश वर्तमान में केंद्रीय शासन के अधीन है। इन दोनों विषयों को सोमवार के लिए लोकसभा के आदेश पत्र में सूचीबद्ध किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर 'लोकतंत्र की हत्या के भयावह प्रयास' करने का आरोप लगाया था।

डेढ़ दशक पहले एच और एन वायरस ने डराया था, हर साल बदलता है स्वरूप, अब डरने की नहीं बचाव की जरूरत

एनटीवी संवाददाता

डॉक्टर समीरन पांडा कहते हैं एच और एन वायरस कोई पहला वायरस नहीं है जिसके चलते संक्रमण फैला हो। वह कहते हैं कि यह वायरस पिछले कई सालों से मौजूद है। वक्त के साथ इसका हर साल म्यूटेशन होता है। कभी यह वायरस खतरनाक हो जाते हैं तो कभी सामान्य फ्लू की तरह अपना व्यवहार करते हैं।

नई दिल्ली। देश में एच3एन2 वायरस के फैलने पर फिलहाल न तो डरने की जरूरत है और न ही बहुत ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता है। क्योंकि एच और एन इनफ्लुएंजा वायरस की मौजूदगी ने डेढ़ दशक पहले स्वाइन फ्लू के रूप में सबसे ज्यादा दहशत फैलाई थी। उसके बाद हर साल वायरस का म्यूटेशन होता रहा। यह सीजनल म्यूटेशन है और गर्मी के साथ-साथ इस वायरस का असर भी खत्म हो जाता है। इसलिए बेहतर है कि ऐसे वायरस से बचाव किया जाए ना कि बेवजह डरा जाए। आईसीएमआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक और देश के प्रमुख महामारी विशेषज्ञ डॉक्टर समीरन पांडा ने अमर उजाला डॉट कॉम से यह जानकारी साझा की।

ये कोई पहला वायरस नहीं

डॉक्टर समीरन पांडा कहते हैं एच और एन वायरस कोई पहला वायरस नहीं है जिसके चलते संक्रमण फैला हो। वह कहते हैं कि यह वायरस पिछले कई सालों से मौजूद है। वक्त के साथ इसका हर साल म्यूटेशन होता है। कभी यह वायरस खतरनाक हो जाते हैं तो कभी सामान्य फ्लू की तरह अपना व्यवहार करते हैं। डॉक्टर पांडा का कहना है कि क्योंकि हाल में ही देश ने कोविड जैसी महामारी का प्रकोप झेला है इसलिए इनफ्लुएंजा वायरस को लेकर लोगों में डर बना हुआ है। जबकि इस वायरस से ना डरने की जरूरत है और ना ही बेवजह घबराने की जरूरत है। दरअसल यह सीजनल वायरस की तरह ही असर करता है। इस बार भी एच और एन वायरस मानसून के बाद सक्रिय हुए हैं। जो कि गर्मी के आते आते अपना असर कम करने लगते हैं।

लोगों को डरने की जरूरत नहीं

डॉक्टर पांडा कहते हैं कि बीते कुछ समय से जिस तरीके से H3N2 वायरस को लेकर लोगों में डर बन रहा है उसकी आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि यह वायरस हमारी शासन प्रणाली पर असर डालता है इसलिए मास्क लगाकर रहना ज्यादा बेहतर है। वायरोलॉजी के विशेषज्ञ डॉ राकेश सचदेवा कहते हैं कि इनफ्लुएंजा वायरस कोविड से पूरी तरीके से अलग है। क्योंकि लोगों में पुरानी बीमारी का भय इतना ज्यादा है इस वजह से ऐसे वायरस को लेकर लोगों में डर बन रहा है। जबकि इस वायरस से डरने की वजह बचाव करना बेहतर तरीका है।

ना बरतें लापरवाही

2008-9 में आए स्वाइन फ्लू के बाद से इस वायरस ने हर साल अपना स्वरूप बदल कर लोगों पर असर डालना शुरू किया। उनका कहना है कि डेढ़ दशक पहले स्वाइन फ्लू की दस्तक से जो लोगों में भय था वह अब इस वायरस को लेकर ना के बराबर है। चिकित्सकों का कहना है कि यह वायरस बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर ही असर करता है। डॉक्टर राकेश कहते हैं कि कोई भी इनफ्लुएंजा वायरस लापरवाही बरतने पर जरूर खतरनाक हो सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने की थी समीक्षा बैठक

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार दिसंबर से मौसमी इन्फ्लूएंजा के मरीज आ रहे हैं। एच3एन2 संक्रमण का प्रसार भी बढ़ता दिखाई दिया है। मंत्रालय ने उम्मीद जताई कि मार्च के अंत तक संक्रमण के प्रसार में कमी आ सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि देश में एच3एन2 के बढ़ते मामलों को लेकर पिछले सप्ताह समीक्षा बैठक भी की थी। राज्यों को अलर्ट रहने और स्थिति की बारीकी से निगरानी के लिए एडवाइजरी जारी की गई थी। उन्होंने इस दौरान कहां की केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए राज्यों के साथ काम कर रही है और स्वास्थ्य उपायों के लिए तत्पर है।

रूसी एयरलाइन भारत के लिए हर हफ्ते 64 उड़ानें संचालित कर सकेंगे, हवाई सेवा समझौते पर सहमति

मौजूदा समझौते के तहत रूस भारत के लिए 52 साप्ताहिक नागरिक उड़ानों का संचालन कर सकता है। भारत सैद्धांतिक रूप से रूसी विमानन कंपनियों की ओर से भारत के लिए संचालित की जाने वाली साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 52 से बढ़ाकर 64 करने पर सहमत हो गया है।

भारत और रूस अपने द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते को संशोधित करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। इसके तहत रूसी विमानन कंपनियों को विभिन्न भारतीय शहरों के लिए 64 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करने की अनुमति होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने ये जानकारी दी है।

मौजूदा समझौते के तहत रूस भारत के लिए 52 साप्ताहिक नागरिक उड़ानों का संचालन कर सकता है। भारत सैद्धांतिक रूप से रूसी विमानन कंपनियों की ओर से भारत के लिए संचालित की जाने वाली साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 52 से बढ़ाकर 64 करने पर सहमत हो गया है। एक अधिकारी ने मीडिया को बातचीत में बताया कि इस संबंध में द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते में उचित समय पर संशोधन किया जाएगा।

वर्तमान में, एरोफ्लोट भारत के लिए सात साप्ताहिक उड़ानों का संचालन कर रहा है। जबकि कोई भी भारतीय एयरलाइन रूस के लिए उड़ान नहीं भर रही है। इससे पहले एयर इंडिया मॉस्को के लिए उड़ानें संचालित करती थी। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने यह भी कहा कि रूसी वाहकों को भारत के लिए संचालित होने वाली साप्ताहिक उड़ानों की कुल संख्या के कोटे का पूरी तरह से उपयोग करने में कुछ समय लगेगा। पिछले महीने नागर विमानन सचिव राजीव बंसल के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने नागर विमानन में द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित बैठक के लिए मास्को का दौरा किया था।

नागर विमानन मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा था कि 17 फरवरी को हुई बैठक में नागर विमानन क्षेत्र में सहयोग पर एक प्रोटोकॉल को भी औपचारिक रूप दिया गया। नागर विमानन में सहयोग पर भारत-रूस उप-समूह के नौवें सत्र का हिस्सा रही इस बैठक की अध्यक्षता बंसल और रूस के परिवहन उपमंत्री इगोर चालिक ने की।

केरल में गरजे अमित शाह: 'दुनिया ने खारिज कर दी कम्युनिस्ट पार्टियां, भाजपा को मौका दें, हम करेंगे विकास'

एनटीवी संवाददाता

त्रिशूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि वे हमारे प्रिय नेता पीएम मोदी की कब्र खोदेंगे। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि आपक उन्हें जितना बदनाम करने की कोशिश करेंगे, देश में कमल उतना ही खिलेगा।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को एक दिवसीय दौरे पर केरल पहुंचे। गृहमंत्री यहां भाजपा के त्रिशूर संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों की एक बैठक में भी भाग लेंगे। वे त्रिशूर में वडक्कुमनाथन मंदिर भी जाएंगे। त्रिशूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि वे हमारे प्रिय नेता पीएम मोदी की कब्र खोदेंगे। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि आपक उन्हें जितना बदनाम करने की कोशिश करेंगे, देश में कमल उतना ही खिलेगा।

उन्होंने कहा, केरल के लोगों ने लंबे समय से कांग्रेस और कम्युनिस्टों को राज्य पर शासन करने का मौका दिया है। कम्युनिस्टों को दुनिया ने खारिज कर दिया है और देश ने कांग्रेस पार्टी को खारिज कर दिया है।

शाह ने कहा, केरल में कम्युनिस्ट और कांग्रेस एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। हालांकि त्रिपुरा चुनाव में कम्युनिस्ट और कांग्रेस ने एक-दूसरे के साथ गठबंधन किया था। उन्होंने त्रिपुरा में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था। लेकिन, त्रिपुरा के लोगों ने भाजपा का समर्थन किया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, कोच्चि मेट्रो फेज 1 का उद्घाटन हो चुका है और दूसरे फेज के लिए 1950 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दो स्मार्ट शहरों के लिए 773 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए 55,000 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

उन्होंने कहा, पीएफआई को मोदी सरकार ने पूरी तरह से बैन कर दिया है। इस प्रकार, पीएफआई की हिंसा से केरल को छुटकारा दिलाने में मदद करना। इस कदम का न तो कांग्रेस ने स्वागत किया और न ही कम्युनिस्टों ने।

उन्होंने आगे कहा, केरल का सार्वजनिक कर्ज 3.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। केरल के वित्त मंत्री ने स्वीकार किया है कि राज्य वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। लेकिन, सरकार महत्वपूर्ण स्थानों पर अपना कैडर स्थापित करने में व्यस्त है।

शाह ने कहा, केरल में कम्युनिस्ट और कांग्रेस एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। हालांकि त्रिपुरा चुनाव में कम्युनिस्ट और कांग्रेस ने एक-दूसरे के साथ गठबंधन किया था। उन्होंने त्रिपुरा में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था। लेकिन, त्रिपुरा के लोगों ने भाजपा का समर्थन किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, कोच्चि मेट्रो फेज 1 का उद्घाटन हो चुका है और दूसरे फेज के लिए 1950 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दो स्मार्ट शहरों के लिए 773 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए 55,000 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।